मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 236
शनिवार, 14 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ईरान ने भारत के लिए खोला होर्मुज मार्ग, दो एलपीजी टैंकरों को गुजरने की दी अनुमति, कुकिंग गैस संकट कम होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 13 मार्च। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान ने भारत के लिए बड़ी राहत भरा कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक ईरान ने भारत के झंडे वाले दो एलपीजी टैंकरों को Strait of Hormuz से गुजरने की अनुमति दे दी है।

मामले की जानकारी रखने वाले चार सूत्रों के अनुसार यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब युद्ध और तनाव की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। इस कदम से भारत में एलपीजी यानी खाना पकाने वाली गैस की संभावित कमी को कुछ हद तक कम करने में मदद मिल सकती है।

सूत्रों के मुताबिक ये दोनों टैंकर लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस लेकर भारत की ओर आ रहे हैं। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण कई देशों के जहाज इस रास्ते से गुजरने में सावधानी बरत रहे थे। ऐसे में ईरान द्वारा भारतीय जहाजों को रास्ता देने का फैसला भारत के लिए राहत भरा माना जा रहा है। इससे घरेलू गैस की आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

इसी बीच सूत्रों ने बताया कि एक कच्चे तेल का टैंकर भी शनिवार को भारत पहुंचने वाला है। यह जहाज Saudi Arabia का तेल लेकर आ रहा है और लगभग 1 मार्च के आसपास होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरा था। जहाजों की आवाजाही से जुड़े आंकड़े देने वाली संस्था Lloyd's List Intelligence के डेटा के अनुसार यह टैंकर सुरक्षित तरीके से भारत की ओर बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। इसी रास्ते से दुनिया के बड़े हिस्से तक तेल और गैस की सप्लाई होती है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के कारण इस मार्ग पर खतरा बढ़ गया था, जिससे ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ गई थी। ऐसे में भारत के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति मिलना ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

कांग्रेस देश के प्रति ईमानदार नहीं, संकट के समय अफवाह फैला रही: पीएम मोदी

असम, 13 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह किसी भी स्थिति में देश के प्रति ईमानदार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि युद्ध और वैश्विक संकटों के इस दौर में भी कांग्रेस अफवाहें फैलाने और गलत प्रचार करने में लगी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के भाषण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को चाहिए कि वे लाल किले से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नेहरू द्वारा दिए गए भाषणों को सुनें। पीएम मोदी के मुताबिक नेहरू ने एक बार लाल किले से कहा था कि उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरियाके बीच चल रही लड़ाई की वजह से भारत में महंगाई बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया भारत से काफी दूर हैं, लेकिन उस समय भी वैश्विक घटनाओं का असर भारत पर पड़ने की बात कही गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भी दुनिया कई बड़े वैश्विक संकटों से गुजर रही है और उनका असर हर देश पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुछ नेता देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि पूरी दुनिया देख रही है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाओं और युद्धों का असर देशों की अर्थव्यवस्था और महंगाई पर पड़ता है। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे समय में अफवाह फैलाने के बजाय देश के हित में काम करना ज्यादा जरूरी है।

जंग के बीच इस एयरलाइन ने बढ़ा दिया किराया, 14 मार्च से लगेगा नया चार्ज

नई दिल्ली, 13 मार्च। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन IndiGo ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज लगाने का फैसला किया है। कंपनी के मुताबिक यह नया शुल्क 14 मार्च 2026 की रात 12:01 बजे से लागू होगा। एयरलाइन ने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण विमान ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते यह कदम उठाना पड़ा है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल और विमान ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। International Air Transport Association के जेट फ्यूल मॉनिटर के अनुसार इस क्षेत्र में जेट फ्यूल की कीमतों में 85 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चूंकि एविएशन टरबाइन फ्यूल एयरलाइंस के लिए सबसे बड़ा संचालन खर्च होता है, इसलिए इसकी कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर एयरलाइन कंपनियों की लागत पर पड़ता है।

IndiGo ने बताया कि नया फ्यूल सरचार्ज हर सेक्टर यानी यात्रा के हिस्से के आधार पर लगाया जाएगा और यह दूरी के अनुसार अलग-अलग होगा।

घरेलू और भारतीय उपमहाद्वीप की उड़ानों पर 425 रुपये का अतिरिक्त शुल्क लगेगा। वहीं मिडिल ईस्ट के लिए यह चार्ज 900 रुपये रखा गया है। दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन के लिए 1,800 रुपये तथा अफ्रीका और वेस्ट एशिया के लिए भी 1,800 रुपये का सरचार्ज देना होगा।

कूरियर कॉल, एक डायल कोड और हैक हो गया व्हाट्सएप

- वाराणसी में सामने आया साइबर ठगी का नया तरीका
- कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए कुछ ही मिनटों में अकाउंट पर कब्जा
- जागरूकता से टला बड़ा नुकसान

सुरेश गांधी

वाराणसी। डिजिटल युग में मोबाइल फोन जितना सुविधा का साधन बन चुका है, उतना ही साइबर अपराधियों के लिए आसान हथियार भी। वाराणसी में हाल ही में सामने आई एक घटना ने साइबर ठगी के एक नए और खतरनाक तरीके को उजागर किया है, जिसमें कूरियर डिलीवरी का बहाना बनाकर लोगों से एक विशेष डायल कोड डलवाया जाता है और कुछ ही मिनटों में उनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर लिया जाता है। यह घटना वरिष्ठ पत्रकार सुरेश गांधी के साथ घटी, जिसने यह साफ कर दिया कि साइबर अपराधी अब तकनीकी हैकिंग से ज्यादा लोगों की सहजता और तकनीकी जानकारी की कमी का फायदा उठा रहे हैं।

कूरियर का फोन और शुरू हुआ जाल: गुरुवार की शाम लगभग पांच बजे एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को नामी कूरियर कंपनी ब्लू डार्ट का कर्मचारी बताया और कहा कि आपके नाम से एक पार्सल आया था, लेकिन डिलीवरी के समय आप घर पर नहीं मिले। चौंकाने वाली बात यह थी कि कॉल करने वाले का नंबर ट्रूकॉलर पर भी ब्लू डार्ट के नाम से ही दिखाई दे रहा था, जिससे उसकी बात पर भरोसा करना स्वाभाविक लगा। कॉलर ने कहा कि पार्सल की डिलीवरी प्रक्रिया पूरी करने के लिए मोबाइल में एक छोटा-सा कोड डायल करना होगा। उसने एक मैसेज भेजा और उसमें लिखे कोड को डायल करने के लिए कहा।

वह कोड था – *21*8102723870# सामान्य व्यक्ति के लिए यह केवल एक तकनीकी प्रक्रिया जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में यही वह क्षण था जब साइबर अपराधियों का खेल शुरू हो गया। जैसे ही यह कोड डायल किया गया, मोबाइल में कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो गई। इसका मतलब था कि अब उस मोबाइल नंबर पर आने वाली कॉल–विशेषकर वेरिफिकेशन कॉल या ओटीपी–सीधे अपराधी के नंबर पर जाने लगी। इसके बाद अपराधी ने उसी नंबर से व्हाट्सएप लॉगिन करने की कोशिश की। व्हाट्सएप वेरिफिकेशन के लिए जब कॉल आया तो कॉल फॉरवर्डिंग के कारण वह सीधे हैकर के फोन पर पहुंच गया। कुछ ही मिनटों में व्हाट्सएप अकाउंट पूरी तरह अपराधियों के कब्जे में चला गया।

परिचितों को भेजे गए इमरजेंसी संदेश: व्हाट्सएप पर कब्जा करने के बाद अपराधियों ने संपर्क सूची में मौजूद लोगों को संदेश भेजने शुरू कर दिए। इन संदेशों में दुर्घटना या आपात स्थिति का हवाला देकर तुरंत पैसे भेजने की मांग की जा रही थी। क्योंकि संदेश परिचित व्यक्ति के नंबर से जा रहा था, इसलिए कई लोग इसे सच मान बैठे। हालांकि एक करीबी परिचित को संदेश संदिग्ध लगा और उसने फोन कर स्थिति की जानकारी ली। तभी यह स्पष्ट हुआ कि व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो चुका है।

केरल विधानसभा चुनाव 2026: एनडीए की बड़ी रणनीति सभी 140 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी

केरल, 13 मार्च। केरल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। गठबंधन ने संकेत दिया है कि वह राज्य की सभी 140 विधानसभा सीटों पर पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगा। हाल ही में इँ१३८ खंल्लं३ ढं१३८ की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में केरल चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान प्रत्येक सीट की राजनीतिक स्थिति और संभावित उम्मीदवारों को लेकर प्रेजेंटेशन भी दिए गए। गठबंधन के सूत्रों के अनुसार एनडीए इस बार राज्य में अपनी मौजूदगी को मजबूत करने के लिए हर सीट पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव (2021) में बीजेपी ने लगभग 115 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली थी। अब गठबंधन की रणनीति है कि वह राज्य की राजनीति में तीसरी बड़ी ताकत के रूप में उभरे और अगर चुनाव के बाद त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बने तो निर्णायक भूमिका निभा सके।

बोर्ड परीक्षा के तनाव में छात्रा ने मेट्रो ट्रैक पर लगाई छलांग, स्टेशन पर मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक छात्रा ने कथित तौर पर मेट्रो ट्रैक पर कूदकर आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश की। यह घटना पश्चिमी दिल्ली के Dwarka Sector 14 Metro Station पर शुक्रवार दोपहर हुई, जिससे स्टेशन परिसर में अचानक अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 12:58 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए घटना की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे और घायल छात्रा को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

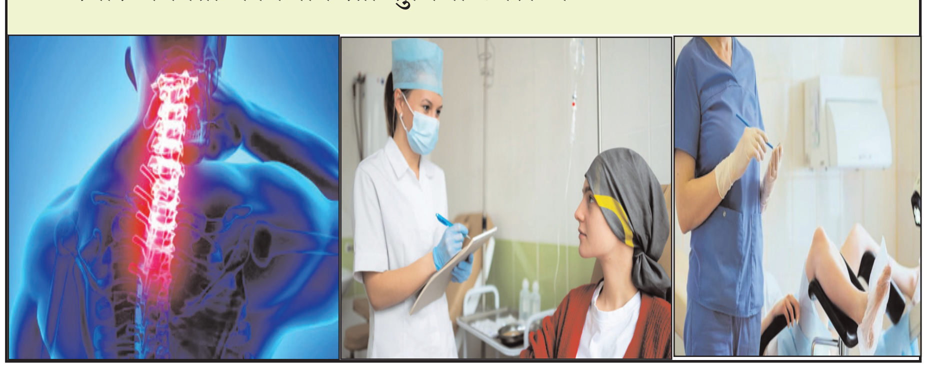

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

-ललित गर्ग

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए?

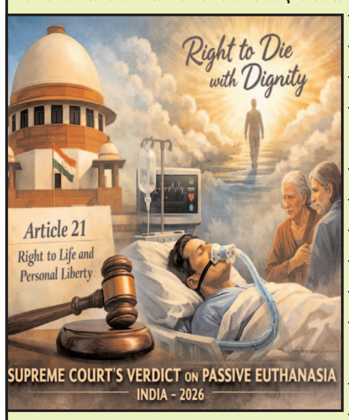

इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।

इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए ह्लिविंग विलह्व की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।

हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे।

इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

एक डायल कोड और कैद हो गया व्हाट्सएप

अशोक भाटिया

जी हां, कूरियर के बहाने कॉल, स्टार ह्ल21हैज कोड का जाल और मिनटों में हैक हुआ अकाउंट. यह साइबर ठगी का नया हथकंडा है. मतलब साफ है डिजिटल क्रांति ने दुनिया को हमारी हथेली में समेट दिया है। बैंकिंग से लेकर खरीदारी, संवाद से लेकर सरकारी सेवाएं, सब कुछ आज स्मार्टफोन के माध्यम से संभव हो गया है। लेकिन तकनीक जितनी सुविधा दे रही है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराध का दायरा भी बढ़ रहा है। आज साइबर अपराधी न तो बैंक लूटने के लिए बंदूक उठाते हैं और न ही किसी घर में सेंध लगाते हैं। वे केवल एक फोन कॉल और कुछ तकनीकी चालों के जरिए लोगों की निजी जानकारी और डिजिटल पहचान पर कब्जा कर लेते हैं। इसी तरह की एक घटना ने साइबर अपराध के एक नए तरीके को उजागर किया है, जिसमें कूरियर का बहाना बनाकर लोगों से एक विशेष डायल कोड डलवाया जाता है और कुछ ही मिनटों में उनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो जाता है।

कूरियर का फोन और शुरू हुआ जाल

घटना की शुरूआत एक सामान्य फोन कॉल से हुई। एक व्यक्ति ने खुद को नामी कंपनी ब्लू डार्ट कूरियर कंपनी का कर्मचारी बताते हुए कहा कि आपके नाम से एक पार्सल आया था, लेकिन डिलीवरी के समय आप घर पर नहीं मिले। खास यह है कि उक्त तथाकथित कर्मचारी का नंबर टू कालर भी ब्लू डार्ट के नाम से ही शो कर रहा था. जो विश्वसनीयता की मूल वजह बन गयी. वैसे भी आज के दौर में ऑनलाइन खरीदारी और कूरियर सेवाओं का उपयोग इतना सामान्य हो गया है कि ऐसा फोन आना किसी को भी असामान्य नहीं लगता। कॉलर ने कहा कि डिलीवरी की प्रक्रिया पूरी करने के लिए मोबाइल में एक छोटा-सा कोड डायल करना होगा। इसके लिए उसने एक मैसेज भेजा और उसमें लिखे कोड को डायल करने के लिए कहा। वह कोड था : स्टार 21 स्टार 8102723870.हैज. सामान्य व्यक्ति के लिए यह एक तकनीकी प्रक्रिया जैसा लगता है। लेकिन वास्तव में यही वह बिंदु था जहां से साइबर अपराधियों का खेल शुरू हो गया।

कॉल फॉरवर्डिंग और व्हाट्सएप पर कब्जा

जैसे ही यह कोड डायल किया गया, मोबाइल फोन में कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो गई। इसका अर्थ था कि अब उस मोबाइल नंबर पर आने वाली कॉल, विशेषकर वेरिफिकेशन कॉल और ओटीपी सीधे अपराधी के नंबर पर जाने लगी। इसके बाद अपराधी ने उसी नंबर से व्हाट्सएप लॉगिन करने की प्रक्रिया शुरू की। जब व्हाट्सएप वेरिफिकेशन कॉल आया, तो कॉल फॉरवर्डिंग के कारण ओटीपी कॉल सीधे हैकर के फोन पर पहुंच गया। कुछ ही मिनटों में व्हाट्सएप अकाउंट पूरी तरह अपराधियों के कब्जे में चला गया।

फिर शुरू हुआ ठगी का सिलसिला

व्हाट्सएप अकाउंट हैक करने के बाद अपराधी सबसे पहले संपर्क सूची को खंगालते हैं। वे लोगों को ऐसे संदेश भेजते हैं जो भावनात्मक रूप से तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर कर दें, जैसे :- एक्सीडेंट हो गया है, तुरंत पैसे चाहिए।ह्व ह्लअस्पताल में भर्ती हूं, मदद करें।ह्व ह्लतुरंत यूपीआई से कुछ पैसे भेज दीजिए।ह्व क्योंकि संदेश परिचित व्यक्ति के नंबर से आता है, इसलिए कई लोग बिना ज्यादा जांच-पड़ताल किए पैसे भेज देते हैं। देश के कई राज्यों में इस तरीके से हजारों और

डिजिटल दौर में मोबाइल फोन जितना सुविधा का साधन बना है, उतना ही साइबर अपराधियों के लिए आसान हथियार भी। हाल के दिनों में एक नया साइबर जाल तेजी से फैल रहा है, जिसमें कूरियर डिलीवरी या अन्य बहाने से फोन कर लोगों से एक विशेष डायल कोड डलवाया जाता है और कुछ ही मिनटों में उनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर लिया जाता है। यह तरीका तकनीकी हैकिंग से ज्यादा मनोवैज्ञानिक चाल पर आधारित है, जहां अपराधी लोगों की सहजता और तकनीकी जानकारी की कमी का फायदा उठाते हैं। कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए व्हाट्सएप वेरिफिकेशन कॉल अपने नंबर पर प्राप्त कर वे अकाउंट पर कब्जा कर लेते हैं और फिर परिचितों को इमरजेंसी या दुर्घटना का संदेश भेजकर पैसे मांगते हैं। हाल ही में सामने आई एक घटना ने इस खतरे को उजागर किया है और यह साबित किया है कि डिजिटल दुनिया में थोड़ी-सी असावधानी भी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है

लाखों रुपये की ठगी के मामले सामने आ चुके हैं। खास यह है कि मामला सीनियर पत्रकार सुरेश गांधी का था, लिहाजा एक खास परिचित एवं शुभचिंतक ने फोन कर हालचाल जानने के बहाने समस्या का जिलक्र करते हुए पूछा, क्या आपने कोई वाट्स्प भेजा है, जवाब मिला नहीं. तो उस व्यक्ति ने वाट्स्प पर आएं मैसेज यानी डिमांड को साझा किया. पत्रकार ने बिना किसी देर के पुलिस के सीनियर अधिकारियों के बाद साइबर क्राइम 1930 पर शिकायत दर्ज करा दी. मामला तब और संगीन हो गया जब पत्रकार का वाट्स्प भी नहीं खुल रहा था. ऐसे में पत्रकार ने तत्काल सूक्ष्म सूचना सोशल मीडिया पर प्रसारित कर लोगों को आगाह कर दिया और पूरी रात इस मामले की पड़ताल में खुद जुटे रहे.

समय रहते जागरूकता से बचा बड़ा नुकसान

इस मामले में समय रहते स्थिति समझ में आ गई। कॉल फॉरवर्डिंग कोड की जांच की गई और उसे तुरंत बंद कर दिया गया। इसके बाद व्हाट्सएप को दोबारा इंस्टॉल कर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की गई। करीब बारह घंटे के प्रयास के बाद अकाउंट दोबारा सुरक्षित हो गया। इसके साथ ही साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई और पूरे मामले को सार्वजनिक कर लोगों को सावधान करने का निर्णय लिया गया।

क्यों खतरनाक है यह साइबर तरीका

साइबर विशेषज्ञों के अनुसार यह तरीका इसलिए खतरनाक है क्योंकि इसमें अपराधी किसी तकनीकी हैकिंग सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल नहीं करते। वे केवल मानव मनोविज्ञान और तकनीकी जानकारी की कमी का फायदा उठाते हैं। लोगों को यह भी पता नहीं होता कि एक साधारण-सा डायल कोड उनके फोन की कॉल व्यवस्था को पूरी तरह बदल सकता है।

तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध

भारत में डिजिटल सेवाओं के विस्तार के साथ साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर है क्योंकि वहां डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभी सीमित है। साइबर अपराधियों के लिए मोबाइल फोन उपयोगकर्ता एक आसान लक्ष्य बनते जा रहे हैं।

सावधानी

इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

*किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई कोड डायल न करें।

* ओटीपी या वेरिफिकेशन कॉल की जानकारी किसी से साझा न करें।

* बैंक, कूरियर या सरकारी संस्था कभी फोन पर कोड डायल करने को नहीं कहती।

* संदिग्ध कॉल आने पर तुरंत फोन काट दें।

* व्हाट्सएप में टू स्टेप वेरीफिकेशन जरूर सक्रिय करें।

* साइबर अपराध से बचाव के 7 नियम

* अनजान नंबर से आए कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी न दें।

* मोबाइल में आने वाले लिंक पर बिना जांच क्लिक न करें।

* मोबाइल में मजबूत पासवर्ड या स्क्रीन लॉक रखें।

* व्हाट्सएप और अन्य ऐप्स को समय-समय पर अपडेट करें।

* सार्वजनिक वाईफाई का उपयोग सावधानी से करें।

* बैंकिंग या ओटीपी से जुड़ी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

* किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत शिकायत करें।

* शिकायत कैसे करें

साइबर अपराध की शिकायत के लिए भारत सरकार ने विशेष हेल्पलाइन और पोर्टल शुरू किया है।

* साइबर हेल्पलाइन नंबर : 1930

* वेबसाइट : डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. साइबर क्राइम.जीओवी.इन पर शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस और साइबर विशेषज्ञ मामले की जांच करते हैं।

जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा

आज मोबाइल फोन केवल संवाद का साधन नहीं है। यह हमारी पहचान, संपर्क, बैंकिंग, सामाजिक जीवन और निजी जानकारी का केंद्र बन चुका है। ऐसे में इसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है जितनी घर की सुरक्षा। साइबर अपराधियों की चालें लगातार बदल रही हैं, लेकिन उनसे बचने का सबसे प्रभावी तरीका है, सतर्कता और जागरूकता। मतलब साफ है कूरियर के बहाने आया एक फोन कॉल और एक छोटा-सा डायल कोड, बस इतना ही काफी था किसी का व्हाट्सएप अकाउंट अपने कब्जे में लेने के लिए। लेकिन समय रहते जागरूकता और सही कदम उठाने से स्थिति को संभाल लिया गया। यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। डिजिटल युग में सुरक्षा की सबसे मजबूत दीवार जानकारी, सावधानी और सतर्कता ही है। संदेश स्पष्ट है : अनजान कॉल से सावधान रहें, किसी के कहने पर मोबाइल में कोड डायल न करें और साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहें।

इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला जीवन गरिमा और कानून के बीच गहरी बहस

-अजय कुमार

भारत में जीवन के अधिकार को संविधान का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह बहस भी तेज हुई है कि क्या किसी व्यक्ति को गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी होना चाहिए। गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दिए जाने के बाद यह सवाल एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आ गया है। यह फैसला केवल एक व्यक्ति के जीवन का निर्णय नहीं है, बल्कि यह उस जटिल स्थिति को भी सामने लाता है जिसमें आधुनिक चिकित्सा, कानून और मानवीय संवेदनाएं आपस में टकराती दिखाई देती हैं। हरीश राणा का मामला एक लंबे और पीड़ादायक संघर्ष की कहानी है। वर्ष 2013 में वह चंडीगढ़ में पढ़ाई कर रहे थे। उसी दौरान हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लगी। इस दुर्घटना के बाद उनका मस्तिष्क बुरी तरह प्रभावित हो गया और वह स्थायी रूप से कोमा जैसी अवस्था में चले गए। डॉक्टरों के अनुसार उनका ब्रेन डैमेज इतना गंभीर था कि उनके होश में आने की संभावना बेहद कम थी। पिछले लगभग 13 वर्षों से वह अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े थे और उनका जीवन केवल कृत्रिम पोषण, दवाओं और जीवन रक्षक चिकित्सा प्रणाली पर निर्भर था।लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने के कारण उनके शरीर में कई तरह की जटिलताएं पैदा हो गई थीं। चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार लगातार लेटे रहने से उनके शरीर में बेड सोर यानी गंभीर घाव हो गए थे। डॉक्टरों की राय थी कि उनकी चेतना लौटने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। इस स्थिति में उनके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने एम्स की मेडिकल रिपोर्ट, विशेषज्ञों की राय और कानूनी प्रावधानों पर विचार करने के बाद पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। अदालत ने माना कि जब कोई व्यक्ति वर्षों तक ऐसी स्थिति में रहता है जहां उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं होती और जीवन केवल मशीनों या कृत्रिम साधनों पर निर्भर होता है, तब गरिमा के साथ मृत्यु का अधिकार भी एक मानवीय प्रश्न बन जाता है।

दरअसल इच्छामृत्यु का विषय चिकित्सा नैतिकता और कानून के सबसे जटिल मुद्दों में से एक है। इच्छा मृत्यु का अर्थ है किसी ऐसे व्यक्ति को मृत्यु की अनुमति देना जो असाध्य बीमारी, असहनीय दर्द या स्थायी अचेत अवस्था में हो और जिसके ठीक होने की संभावना न हो। आम तौर पर इच्छामृत्यु दो प्रकार की मानी जाती है एक्टिव इच्छामृत्यु और पैसिव इच्छामृत्यु।एक्टिव इच्छामृत्यु में डॉक्टर मरीज को ऐसी दवा या इंजेक्शन देते हैं जिससे उसकी तुरंत मृत्यु हो जाती है। भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में इसे अवैध माना जाता है क्योंकि इसे सीधे तौर पर किसी व्यक्ति की हत्या के समान माना जाता है। भारतीय न्याय संहिता 2023 के अनुसार जानबूझकर किसी व्यक्ति की मृत्यु का कारण बनना एक गंभीर अपराध है।दूसरी ओर पैसिव इच्छामृत्यु में डॉक्टर सीधे मृत्यु का कारण नहीं बनते, बल्कि जीवन रक्षक उपचार को हटा दिया जाता है। इसमें वेंटिलेटर हटाना, कृत्रिम भोजन बंद करना या इलाज रोक देना शामिल होता है। इसके बाद मरीज की मृत्यु स्वाभाविक रूप से होती है। भारत में सीमित परिस्थितियों में इसी प्रकार की इच्छा मृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई है।भारत में इच्छामृत्यु की कानूनी बहस का इतिहास लगभग पांच दशकों पुराना है, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से समझने की शुरूआत 2011 के अरुणा शॉनबाग मामले से हुई। अरुणा शॉनबाग मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स थीं। 27 नवंबर 1973 की रात एक वार्ड बॉय ने उन पर हमला किया। हमले के दौरान उनके गले को लोहे की चेन से कस दिया गया, जिससे उनके मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई और उनका दिमाग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

इस घटना के बाद अरुणा शॉनबाग स्थायी वेजिटेटिव स्टेट में चली गईं। वह लगभग 42 वर्षों तक अस्पताल के बिस्तर पर रहीं। चिकित्सा विज्ञान में इसे परमानेंट वेजिटेटिव स्टेट कहा जाता है, जिसमें शरीर जीवित रहता है लेकिन चेतना लगभग समाप्त हो जाती है।2009 में पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता पिंकी विरानी ने सुप्रीम कोर्ट में अरुणा के लिए इच्छामृत्यु की याचिका दायर की। उनका तर्क था कि अरुणा दशकों से ऐसी स्थिति में जीवन जी रही हैं जो मानवीय गरिमा के खिलाफ है। हालांकि केईएम अस्पताल की नर्सों ने इसका विरोध किया और कहा कि वे अरुणा की देखभाल कर रही हैं।सुप्रीम कोर्ट ने 7 मार्च 2011 को इस याचिका को खारिज कर दिया, लेकिन अपने फैसले में पहली बार पैसिव इच्छा मृत्यु को कुछ शर्तों के साथ अनुमति देने का रास्ता खोल दिया। यही फैसला आगे चलकर भारत में इच्छामृत्यु के कानून की आधारशिला बना।इसके बाद 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने ह्लकॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडियाह्व मामले में एक और ऐतिहासिक फैसला सुनाया। संविधान पीठ ने कहा कि गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। अदालत ने ह्लिविंग विलह्व को भी कानूनी मान्यता दी। इसका अर्थ यह है कि कोई व्यक्ति पहले से लिखित रूप में यह तय कर सकता है कि गंभीर बीमारी की स्थिति में उसे किस प्रकार का इलाज दिया जाए या नहीं दिया जाए।

विश्व स्तर पर भी इच्छा मृत्यु को लेकर गहरी बहस होती रही है। वर्तमान समय में लगभग 10 से अधिक देशों में किसी न किसी रूप में इच्छामृत्यु या असिस्टेड सुसाइड को कानूनी मान्यता दी गई है। नीदरलैंड दुनिया का पहला देश था जिसने वर्ष 2002 में एक्टिव इच्छामृत्यु को कानूनी रूप से मान्यता दी। बेल्जियम ने भी 2002 में इसे वैध किया और 2014 में नाबालिग मरीजों के लिए भी सीमित परिस्थितियों में इसकी अनुमति दे दी।कनाडा ने वर्ष 2016 में मेडिकल असिस्टेंट डाइंग कानून लागू किया। कनाडा की सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 2022 में वहां लगभग 13 हजार लोगों ने मेडिकल असिस्टेंट डाइंग के माध्यम से जीवन समाप्त किया, जो देश की कुल मौतों का लगभग 4 प्रतिशत था। अमेरिका के कई राज्यों जैसे कैलिफोर्निया, ओरेगन और वाशिंगटन में भी सख्त शर्तों के साथ असिस्टेड सुसाइड की अनुमति है।भारत में हालांकि स्थिति अलग है। यहां एक्टिव इच्छामृत्यु पूरी तरह अवैध है और केवल पैसिव इच्छामृत्यु को सीमित परिस्थितियों में अनुमति दी गई है। 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अपने दिशा-निर्देशों में संशोधन किया। नए नियमों के अनुसार इच्छा मृत्यु से जुड़े मामलों में अस्पताल को दो मेडिकल बोर्ड बनाने होते हैं। दोनों बोर्ड मरीज की स्थिति का मूल्यांकन करते हैं और 48 घंटे के भीतर अपनी राय देते हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार भारत में हर साल हजारों ऐसे मरीज होते हैं जो लंबे समय तक वेजिटेटिव स्टेट में रहते हैं। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार भारत के बड़े अस्पतालों में आईसीयू में भर्ती लगभग 10 से 20 प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं जिनकी स्थिति बेहद गंभीर और लंबे समय तक जीवन रक्षक उपकरणों पर निर्भर होती है।

यही कारण है कि इच्छामृत्यु का मुद्दा केवल कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक सवाल भी बन जाता है। कई परिवार वर्षों तक अपने प्रियजनों के इलाज पर भारी खर्च करते हैं, जबकि सुधार की कोई संभावना नहीं होती। ऐसे में परिवारों के सामने भावनात्मक और आर्थिक दोनों तरह की चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं।हरीश राणा का मामला इसी जटिल वास्तविकता को सामने लाता है। यह फैसला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आधुनिक चिकित्सा के युग में जीवन को केवल तकनीकी साधनों से बनाए रखना ही पर्याप्त नहीं है। जीवन की गुणवत्ता, मानवीय गरिमा और पीड़ा से मुक्ति जैसे प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।इसीलिए इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला केवल एक कानूनी आदेश नहीं है। यह उस कठिन संतुलन की तलाश है जिसमें मानव गरिमा, परिवार की पीड़ा और कानून की मयार्दा तीनों को साथ-साथ समझा जा सके। आने वाले समय में यह बहस और गहरी हो सकती है और संभव है कि भारत को इस विषय पर एक स्पष्ट और व्यापक कानून बनाने की दिशा में भी कदम उठाने पड़ें।

इच्छामृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील फैसला

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की न्याय व्यवस्था केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था भर नहीं है, बल्कि वह समाज के नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था भी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया द्वारा गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय इसी मानवीय दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। पिछले तेरह वर्षों से स्थायी वनस्पतिक अवस्था में जीवन व्यतीत कर रहे हरीश राणा के मामले में अदालत ने उनके परिजनों को जीवन-रक्षक चिकित्सा उपकरण हटाने की अनुमति प्रदान की। यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि मानव जीवन की गरिमा, पीड़ा और नैतिक दायित्वों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास भी है।

इस मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पर्दिवाला और न्यायमूर्ति

विस्वनाथं की पीठ ने जिस संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण का परिचय दिया, वह भारतीय न्याय व्यवस्था की गरिमा को दर्शाता है। विशेष रूप से निर्णय सुनाते समय न्यायमूर्ति पारदीवाला का भावुक होना इस बात का संकेत है कि न्यायालय केवल विधिक तर्कों के आधार पर नहीं चलता, बल्कि वह मानवीय पीड़ा को भी गहराई से समझने का प्रयास करता है। इच्छामृत्यु का प्रश्न लंबे समय से समाज, चिकित्सा विज्ञान और कानून के बीच बहस का विषय रहा है। सामान्य शब्दों में इच्छामृत्यु का अर्थ है ऐसी परिस्थिति में व्यक्ति को मृत्यु की अनुमति देना, जब उसका जीवन असाध्य बीमारी या असहनीय पीड़ा से घिरा हो और उसके स्वस्थ होने की कोई संभावना न हो। भारतीय कानून में सक्रिय इच्छामृत्यु अर्थात किसी को जानबूझकर मृत्यु देना स्वीकार्य नहीं है, लेकिन निष्क्रिय इच्छामृत्यु अर्थात जीवन-रक्षक उपचार हटाने की अनुमति कुछ विशेष परिस्थितियों में दी जा सकती है। हरीश राणा का मामला इसी निष्क्रिय इच्छामृत्यु से जुड़ा हुआ है। वे पिछले तेरह वर्षों से ऐसी अवस्था में हैं जिसे चिकित्सा विज्ञान में स्थायी वनस्पतिक अवस्था कहा जाता है। इस स्थिति में व्यक्ति जीवित तो रहता है, परंतु उसके मस्तिष्क की चेतन क्रियाएं लगभग समाप्त हो जाती हैं। वह स्वयं निर्णय लेने, बोलने या सामान्य प्रतिक्रिया देने में सक्षम नहीं होता। ऐसे रोगियों का जीवन प्रायः कृत्रिम उपकरणों और निरंतर चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर रहता है। किसी भी परिवार के लिए यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक होती है। वर्षों तक अपने प्रियजन को अचेत अवस्था में देखना मानसिक और भावनात्मक रूप से अत्यंत कठिन अनुभव होता है। इसके साथ-साथ आर्थिक बोझ भी लगातार बढ़ता जाता है। इसलिए कई बार परिवार यह कठिन निर्णय लेने के लिए मजबूर हो जाता है कि क्या केवल मशीनों के सहारे जीवन बनाए रखना वास्तव में उचित है। यहीं से इच्छामृत्यु का नैतिक प्रश्न सामने आता है। एक ओर मानव जीवन को सर्वोच्च मूल्य माना जाता है और उसे हर परिस्थिति में बचाने का प्रयास किया जाता है। दूसरी ओर यह भी प्रश्न उठता है कि यदि जीवन केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित रह जाए और उसमें चेतना, संवाद और मानवीय अनुभव समाप्त हो जाएं, तो क्या उसे उसी प्रकार जीवन कहा जा सकता है जैसा हम सामान्य रूप से समझते हैं।

भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर इन जटिल प्रश्नों पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास किया है। पहले भी अदालत यह स्पष्ट कर चुकी है कि व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है। इसी संदर्भ में यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या व्यक्ति को गरिमा के साथ मृत्यु प्राप्त करने का अधिकार भी होना चाहिए। हालांकि इस विषय में अत्यधिक सावधानी बरतना आवश्यक है, ताकि इसका किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न हो सके। इसी कारण भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु के लिए कड़े नियम निर्धारित किए गए हैं। किसी भी व्यक्ति के मामले में जीवन-रक्षक उपचार हटाने का निर्णय केवल परिवार की इच्छा से नहीं लिया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकों की विशेषज्ञ समिति, विस्तृत चिकित्सा परीक्षण और न्यायिक अनुमति जैसी कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्णय पूरी तरह मानवीय हित और चिकित्सकीय तथ्यों के आधार पर लिया जाए। हरीश राणा के मामले में भी अदालत ने सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने के बाद ही यह निर्णय दिया। इस फैसले का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह समाज को यह सोचने का अवसर देता है कि जीवन की गरिमा का वास्तविक अर्थ क्या है। केवल शारीरिक अस्तित्व बनाए रखना ही जीवन का उद्देश्य नहीं हो सकता। जीवन में चेतना, संवाद, अनुभव और मानवीय संबंधों का भी उतना ही महत्व है। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि इच्छामृत्यु जैसे विषय पर समाज में गंभीर और जिम्मेदार चर्चा हो। कुछ लोग इसे मानवीय पीड़ा से मुक्ति का माध्यम मानते हैं, जबकि कुछ इसे जीवन के मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच संतुलन स्थापित करना ही कानून और समाज की सबसे बड़ी चुनौती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं भी इस विषय को प्रभावित करती हैं। अनेक परंपराओं में जीवन को ईश्वर का उपहार माना जाता है और उसकी समाप्ति को केवल प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जाता है। इसलिए इच्छामृत्यु के प्रश्न पर लोगों की भावनाएं भी गहराई से जुड़ी होती हैं।

फिर भी आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और बदलती सामाजिक परिस्थितियों ने इस विषय को नई दृष्टि से देखने की आवश्यकता उत्पन्न कर दी है। आज चिकित्सा तकनीक इतनी उन्नत हो चुकी है कि कई बार व्यक्ति को लंबे समय तक कृत्रिम रूप से जीवित रखा जा सकता है। ऐसे में यह प्रश्न और अधिक जटिल हो जाता है कि क्या हर परिस्थिति में जीवन को इसी प्रकार बनाए रखना उचित है। इस संदर्भ में अदालत का यह निर्णय संतुलित दृष्टिकोण का उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह फैसला न केवल कानून की मयार्दा का पालन करता है, बल्कि मानवीय संवेदना को भी सम्मान देता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जीवन की गरिमा और मानवीय पीड़ा दोनों को ध्यान में रखते हुए ही ऐसे मामलों में निर्णय लिया जाना चाहिए।

सोनोपंत दांडेकर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. किरण सावे गौरव पुरस्कार से सम्मानित

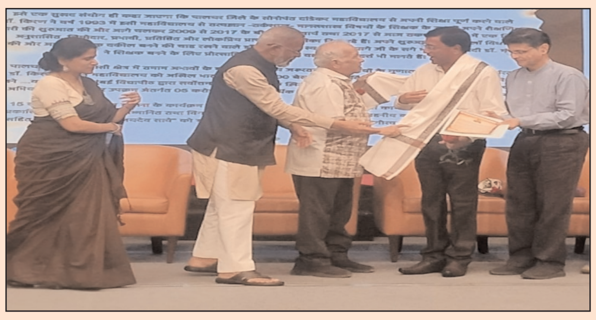

मुंबई(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। युवक बिरादरी भारत तथा श्री विले पारले केलवानी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा संसद (अभिरूप युवा संसद) का भव्य अधिवेशन मुंबई में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग पाँच हजार युवाओं ने भाग लिया। युवा संसद का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संसदीय प्रक्रिया का प्रशिक्षण देना तथा भविष्य के लिए सक्षम नेतृत्व तैयार करना था।

इस अधिवेशन के अंतिम चरण में देशभर से चयनित 25 युवाओं ने हिस्सा लिया। इन प्रतिभागियों ने देश के वर्तमान ज्वलंत मुद्दों, विशेष रूप से भारत जैसे संघीय ढांचे में केंद्र व राज्यों के बीच बढ़ते टकराव तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाये रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अध्ययनपूर्ण विचार प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता का मूल्यांकन आईएएस अधिकारी, विश्वविद्यालय के कुलगुरु व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सहित पाँच सदस्यीय निर्णायक मंडल ने किया। इस मंडल ने प्रतिभागियों के विचार, प्रस्तुति एवं नेतृत्व क्षमता के आधार पर एक युवा को ह्लसर्वोत्कृष्ट युवाभूषणह्व पुरस्कार के लिए चयनित किया। कार्यक्रम के दौरान पालघर स्थित सोनोपंत दांडेकर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. किरण सावे को उनके उत्कृष्ट कार्य, उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रशासनिक सेवाओं में योगदान के लिए ह्लगौरव पुरस्कारह्व से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की। मुंबई के मुकेश पटेल ऑडिटोरियम में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में वरिष्ठ अर्थशास्त्री नरेंद्र जाधव, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक कुमार केतकर, डॉ. राम चड्ढा, डॉ. मृदुल निले व डॉ. स्वरक्रांति शाह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मीरा भायंदर नगर निगम जल आपूर्ति विभाग द्वारा बकाया बिल को लेकर नागरिकों से अपील किया जा रहा है

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि 25 दिसंबर तक के पानी के बिलों का भुगतान जल आपूर्ति विभाग के माध्यम से संबंधित लोगों को वितरित कर दिया गया है। उक्त बिलों के भुगतान की नियम तिथि समाप्त हो चुकी है। साथ ही, आज तक पानी के बिल का बकाया रखने वाले ग्राहकों को नल कनेक्शन काटने की पूर्व सूचना देने के लिए नोटिस वितरित किया गया है। हालांकि, जल आपूर्ति विभाग सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे बकाया का भुगतान तुरंत करें। अन्यथा, उन्हें अपनी संपत्ति का पानी कनेक्शन काटने जैसी अप्रिय और अपमानजनक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। कृपया इस पर ध्यान दें और नगर निगम के साथ सहयोग करते हुए पानी के बिल का भुगतान तुरंत करें। नगर निगम ने सभी पानी बिल भुगतान केंद्रों को छुट्टियों में भी खुला रखा है और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध हैं, आप भर सकते हैं।

सैमसंग गैलेक्सी एस26 सीरीज और गैलेक्सी बड्स4 सीरीज भारत में उपलब्ध

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपनी नई गैलेक्सी एस26 सीरीज और गैलेक्सी बड्स4 सीरीज की वैश्विक उपलब्धता की घोषणा कर दी है। सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के एआई स्मार्टफोन्स के रूप में गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा, गैलेक्सी एस26+ और गैलेक्सी एस26 उपयोगकताओं को अधिक सहज और स्मार्ट एआई अनुभव देने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे वे कम चरणों में अधिक काम कर सकते हैं। गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के बाद से नई सीरीज को दुनियाभर में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। शुरूआती प्री-ऑर्डर आंकड़ों में दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा सबसे लोकप्रिय मॉडल बनकर उभरा है, जिसे वैश्विक स्तर पर 70 प्रतिशत से अधिक ग्राहकों ने चुना। गैलेक्सी एस 26 अल्ट्राः उन्नत तकनीक और एआई का संगमः गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा में सैमसंग की कई उन्नत तकनीकों का समावेश है, जिसमें शक्तिशाली प्रदर्शन, इंडस्ट्री-लीडिंग कैमरा सिस्टम, बेहतर गैलेक्सी एआई अनुभव और दुनिया का पहला बिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले शामिल है। यह प्राइवेसी डिस्प्ले पिक्सल स्तर पर उपयोगकर्ता की गोपनीयता की सुरक्षा करता है, जबकि हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर का संयोजन स्क्रीन की गुणवत्ता से समझौता किए बिना सुरक्षित अनुभव देता है। फोन में स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म दिया गया है, जो तेज और स्मूद परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है। नाउ नज, नाउ ब्रीफ और एआई एजेंट्स जैसे फीचर्स उपयोगकताओं को संदर्भ-आधारित सुझाव, समय पर रिमाइंडर और वॉयस या बटन से आसान कार्य-संचालन की सुविधा देते हैं। साथ ही, इसका उन्नत कैमरा सिस्टम नाइटोग्राफी वीडियो, सुपर स्टेडी और फोटो असिस्ट जैसे फीचर्स के साथ बेहतर कैप्चर और आसान एडिटिंग का अनुभव प्रदान करता है। गैलेक्सी बड्स4 सीरीजः शानदार फिट और हाई-फाई साउंडः गैलेक्सी बड्स4 सीरीज, जिसमें गैलेक्सी बड्स4 और बड्स4 प्रो शामिल हैं, उन्नत ऑडियो तकनीक और आरामदायक वियरेबिलिटी के साथ बेहतर सुनने का अनुभव देती है।

दिमाग को रिचार्ज करने के लिए स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना सीखें: एलेन ऑनलाइन सीरीज में एमएस धोनी ने दी छात्रों को सलाह

मुंबई/पटना। एलेन करियर इंस्टीट्यूट के डिजिटल प्लेटफॉर्म एलेन ऑनलाइन ने अपनी स्टूडेंट कन्वर्सेशन सीरीज राइज टू द टॉप का दूसरा एपिसोड जारी किया है। इसमें महेन्द्र सिंह धोनी ने दो युवा ओलंपियाड विजेताओं–हरियाणा के आदिश जैन और पश्चिम बंगाल के कृष्णार्घ्य प्रमाणिक–से बातचीत की। यह एपिसोड आज शाम 7 बजे यूट्यूब पर एलेन ऑनलाइन चैनल पर उपलब्ध होगा। इस एपिसोड में हरियाणा के आदिश जैन की प्रेरक कहानी सामने आती है। पहले प्रयास में सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ दोबारा तैयारी की और आगे चलकर इंटरनेशनल जूनियर साइंस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। वहीं पश्चिम बंगाल के कृष्णार्घ्य प्रमाणिक ने कम उम्र में ऑनलाइन पढ़ाई के जरिए इंटरनेशनल मैथेमैटिक्स ओलंपियाड में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल किया। यह सीरीज प्रतिभाशाली छात्रों और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों को एक मंच पर लाती है, जहाँ वे खुलकर महत्वाकांक्षा, अनुशासन और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए जरूरी सोच पर बातचीत करते हैं।

विरार पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम द्वारा गुम हुए मोबाइल फोन नागरिकों को लौटाया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। विरार पुलिस थाना क्षेत्र में निवासियों के गुम/लापता हुई मोबाइल फोन की संख्या बढ़ गई थी। तदनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों ने गुम/लापता मोबाइल फोनों की खोज के निर्देश दिए थे। जीसमे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों और आदेशों के अनुसार, विरार पुलिस थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों और अपराध जांच दल के कर्मचारियों ने गुम/लापता मोबाइल फोनों की जांच शुरू कर दी थी। विरार पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम ने खुफिया और तकनीकी जानकारी के आधार पर गुमशुदा/लापता दर्ज मोबाइल फोनों का विश्लेषण करके भारत के विभिन्न राज्यों और महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से विभिन्न कंपनियों के कुल 63 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत 13,00,000 तेरह लाख रुपए बताई जा रही है जिसके पता लगाने में सफलता प्राप्त की है। ये मोबाइल फोन नागरिकों को लौटा दिए गए हैं।

निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त एम बी.वी.वी., दत्तात्रेय शिंदे, उच्च पुलिस आयुक्त एम बी.वी.वी. सुहास बावचे, पुलिस उपायुक्त, सर्किल-3, बजरंग देसाई, सहायक पुलिस आयुक्त, विरार डिवीजन, एल.एम. तुरे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, विरार पुलिस स्टेशन, सुरेश गायकवाड़, पुलिस निरीक्षक (अपराध), अपराध पहचान दल के सहायक पुलिस निरीक्षक ज्ञानेश फड़तारे, पौपानिरी ज्ञानेश्वर कोकाटे, पोहवा संदीप जाधव, मोल चव्हाण, मोहसिन दीवान, सचिन बलिद, बालाजी गायकवाड़, बालाजी शिंदे, पोह सोमनाथ कासर, उत्कर्ष सोनावाने, विलास राठौड़, साथ ही पुलिस उपायुक्त, जोन-3, विरार कार्यालय से पोहवा नामदेव धोणे और पोह सोहेल शेख के कुशल कार्य ने सफलतापूर्वक कार्य को पूरा किया है।

महाराष्ट्र ओबीसी कृती समिती की कार्यकारिणी बैठक व पदभार समारोह का खारघर में आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र ओबीसी कृती समिती की ओर से आगामी 22 मार्च 2026 को कार्यकारिणी बैठक एवं नए पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लेवेगुजर स्नेहवर्धक मंडल (मुंबई) और कराडी समाज के सहयोग से खारघर, नवी मुंबई में आयोजित होगा। समिति के अध्यक्ष श्रावण फरकाडे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के 33 ओबीसी जाति समूहों के प्रमुख प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की भविष्य की रणनीति तय एकरना और नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके दायित्व सौंपना है। यह आयोजन दिनांक 22 मार्च 2026, रविवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक लेवे गुजर भवन, सेक्टर 27, प्लॉट नंबर 57, रंजनपाड़ा, श्रीराम मंदिर के पीछे, पेठपाड़ा मेट्रो स्टेशन के पास, खारघर, पनवेल में संपन्न होगी। कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में निम्नलिखित प्रमुख पदाधिकारियों के नामों का उल्लेख है जिन्हें पदभार सौंपा जायेगा। इनमें अध्यक्ष श्रावण फरकाडे, कार्याध्यक्ष राम खरपुरिया, संपर्क प्रमुख नरेंद्र बडगुजर, महासचिव मोरेश्वर भादे, सचिव दीपक नेवे, कोषाध्यक्ष मुकुंद मुसले, सहसचिव भूषण कडेकर, प्रल्हाद कासकर, शांताराम गुजर, सहकोषाध्यक्ष विकास संसारे, रवींद्र गोलांडे, प्रसिद्धि प्रमुख आशाद शेख, राजेश यावलकर, द्वारकादास फटाले, बाजीराव अहिरे आदि।

नायगांव ईस्ट मंगलमूर्ति ज्वैलर्स की दुकान में सेंध लगाने की कोशिश करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नायगांव पुलिस स्टेशन अंतर्गत के मामला है। शिकायतकर्ता केशव भवन दुबे, उम्र 43 वर्ष, व्यवसाय-ज्वेलर्स की दुकान, पता 12/डी-105, नक्षत्र प्राइड, तावरी रोड, नायगांव पूर्व, तहसील वसई, जिला पालघर। उनकी मंगलमूर्ति ज्वैलर्स की दुकान संख्या डी-07, किनी कॉम्प्लेक्स, सेवन स्क्वायर चौक, तिवारी रोड, नायगांव पूर्व, स्थित है। विगत 4/03/2026 को तड़के, लगभग 25 से 30 वर्ष की आयु के तीन अज्ञात व्यक्तियों ने अपने चेहरों पर काला कपड़ा बांधकर आपस में साजिश रचकर ज्वैलर्स की दुकान में सेंध लगाने का प्रयास किया। अतः नायगांव पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 331 (4), 62 और 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने अपराध दमन शाखा की दो अलग-अलग टीमें गठित कीं जिनमें से एक टीम अपराध स्थल के आसपास के क्षेत्र में आगंतुकों की जांच करने गई और दूसरी टीम उस क्षेत्र में गई जहां संदिग्ध व्यक्ति अक्सर आता-जाता था। गहन जांच के बाद, यह पाया गया कि अपराध के दौरान इस्तेमाल किया गया वाहन मारुति सुजुकी कंपनी की स्वेप्ट डिजायर कार थी जिसका नंबर टल्र.43 इ.7932 था। फिर, मुखबिर के माध्यम से उक्त वाहन के संबंध में प्राप्त जानकारी के आधार पर, तकनीकी विश्लेषण के बाद, चोरों की पहचान की गई। जिसमें पहला नाम शफीक ललन अंसारी, आयु-36 वर्ष, व्यावसायिक चालक, निवासी न्यू गौतम नगर, राजा मेडिकल के पास, गोवंडी, शिवाजीनगर रोड, मुंबई, दूसरा महबूब जानी सैयद, आयु-20 वर्ष, व्यावसायिक रिक्शा चालक, निवासी भीमवाड़ी, गोवंडी, शिवाजीनगर, मुंबई, तीसरा शाकिर साजिद शेख, आयु-22 वर्ष, व्यवसाय-बेरोजगार, निवासी भीमवाड़ी, गोवंडी, शिवाजीनगर, मुंबई का रहने वाला है गुप्त सूचना प्राप्त होने पर किया गया।

भिवंडी में भुज समाज द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया होली मिलन समारोह, फूलों की होली खेलकर दिया पानी बचाने का संदेश

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के फेणापाडा रोड स्थित मानसरोवर के मोनालिसा हॉल में भुज समाज भिवंडी द्वारा हर्षोल्लास के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने पारंपरिक रंगों की बजाय फूलों की होली खेलकर पर्यावरण संरक्षण और पानी बचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे और आपसी भाईचारे व सौहार्द के साथ उत्सव मनाया। कार्यक्रम भुज समाज भिवंडी के संस्थापक श्रीराम कैलाश भुज के मार्गदर्शन तथा भुज समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण आजाद भुज की देखरेख में संपन्न हुआ। आयोजकों ने बताया कि वर्तमान में कई क्षेत्रों में पानी की कटौती और जल संकट को ध्यान में रखते हुए समाज द्वारा फूलों की होली मनाने का निर्णय लिया गया, ताकि लोगों में पानी बचाने के प्रति जागरूकता बढ़े। समारोह के मुख्य अतिथियों में भुज समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण आजाद भुज और भिवंडी मनपा के वार्ड क्रमांक 16 के नगरसेवक राजेश एम. शेट्टी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत किया गया और समाज के लोगों ने उन्हें होली की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण आजाद भुज ने कहा कि समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने भुज समाज के सभी सदस्यों से अपील की कि वे आपसी मतभेद भुलाकर समाज को संगठित और मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करें। उन्होंने समाज के युवाओं से भी सामाजिक कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन भुज समाज के अध्यक्ष अनिल भुज के नेतृत्व में किया गया। समारोह को सफल बनाने में समाज के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें उपाध्यक्ष संतोष भुज, कोषाध्यक्ष मोतीलाल भुज, सचिव सुनील भुज, राममूरत राजदेव भुज तथा सलाहकार दिलीप भुज, सुशील भुज, ज्ञानदास भुज, सजनू भुज, शंकरलाल भुज, उदय भुज सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को फूलों से होली की शुभकामनाएँ दीं और समाज में एकता, भाईचारे तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उत्सव का समापन किया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में समाज के लोगों के साथ महिलाओं व बच्चों का समावेश था।

कल्याण में शिवसेना वैद्यकीय मदद कक्ष की कार्यकारिणी घोषित

कल्याण(उत्तरशक्ति)। शिवसेना (शिंदे) की ओर से वैद्यकीय मदत कक्ष (मेडिकल हेल्प सेल) की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इस कार्यकारिणी का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना, अस्पतालों में मार्गदर्शन देना और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि वैद्यकीय मदत कक्ष के माध्यम से गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को उपचार, दवाइयों तथा अस्पताल संबंधी प्रक्रियाओं में सहायता दी जाएगी। साथ ही रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर और जनजागरण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। पार्टी के संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़, वैद्यकीय मदत कक्ष के कल्याण शहर प्रमुख चंद्रसेन सोनावले और प्रशांत बोटे के हाथों नई कार्यकारिणी में संतोष वाघमारे, मुजावर शेख, भगवान पाटील, शिवम मिश्रा, शिव मिश्रा, लक्ष्मण सालुंके, रत्नलाल शिंदे, कमलाकर भडकवाड, संतोष तारमाले, रविन्द्र पवार और अंकुश सावंत को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि नई टीम समाज के अंतिम व्यक्ति तक चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेगी।

शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी हमेशा जनसेवा के कार्यों को प्राथमिकता देती रही है और वैद्यकीय मदत कक्ष इसी सेवा भावना का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

केडीएमसी करे फेरीवालों पर कार्रवाई - आंदोलन की चेतावनी

शिवसेना नगरसेवक गजानन पाटील आक्रमक

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र में अनधिकृत फेरीवालों की बढ़ती समस्या के कारण शिवसेना के नगरसेवक गजानन पाटील आक्रमक हो गए हैं। उन्होंने एक हफ्ते के अंदर ठोस कार्रवाई नहीं होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

महापालिका के पैनल नंबर 31 में लोढा हेवन, कासारियो और आसपास के इलाकों में अनधिकृत फेरीवाले और हफ्तावसूली बाजार लगने से स्थानीय नागरिकों को बड़ा परेशानी हो रही है। सड़कों पर अतिक्रमण बढ़ने से वाहनों की कोंडियाँ, पैदल चलने वालों को अडचनें और स्वच्छता की समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।

नगरसेवक गजानन पाटील ने महापालिका को कई बार लिखित शिकायतें और आवेदन दिए हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि महापालिका के कुछ अधिकारी अनधिकृत फेरीवालों और हफ्तावसूली बाजार को संरक्षण दे रहे हैं। गजानन पाटील ने मांग की है कि प्रशासन इस मुद्दे पर तात्कालिक कार्रवाई करे और शहर में व्यापक फेरीवाला हटाव अभियान चलाए। अगर एक हफ्ते के अंदर अनधिकृत फेरीवालों पर कार्रवाई नहीं हुई तो स्थानीय नागरिकों के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

भारतीय एम एम ए फाइटर संग्राम सिंह की मौजूदगी में मुंबई में गिर वेजिज की शुरूआत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मिलावटी खाद्य पदार्थों और रासायनिक कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभाव को देखते हुए गुजरात के किसान-उद्यमी शैलेश जारिया ने मुंबई में अपने ऑर्गेनिक ब्रांड गिर वेजिज की शुरूआत की। इस अवसर पर भारतीय MMA फाइटर और अभिनेता संग्राम सिंह भी मौजूद रहे, जिन्हें इस ब्रांड का एम्बेसडर बनाया गया है।

मुंबई में आयोजित एक पत्रकार परिषद में शैलेश जारिया ने बताया कि कैंसर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों के पीछे एक बड़ा कारण मिलावटी और केमिकल युक्त खाद्य पदार्थ भी हैं। गुजरात के जूनागढ़ जिले के अमरापुर गिर गांव में स्थित शैलेशभाई नी वाड़ी फार्म पर गिर वेजिज ब्रांड के तहत ऑर्गेनिक खेती की जा रही है। यहां 30 से अधिक प्रकार के फल और 50 से ज्यादा सब्जियां उगाई जाती हैं, जिनमें आम, अमरूद, केला, पपीता, अनार, जामुन सहित कई मौसमी फल शामिल हैं। इसके अलावा गेहूं, बाजरा, मकई, चना और अरहर दाल जैसे अनाज भी उगाए जाते हैं। योजना के तहत इन उत्पादों को सीधे खेत से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

संग्राम सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज की तेज रफ्तार शहरी जिंदगी में लोग प्राकृतिक और शुद्ध भोजन से दूर होते जा रहे हैं। बचपन में हम पेड़ों से सीधे फल तोड़कर खाते थे, लेकिन शहरों में वह अनुभव खत्म हो गया है। जब शैलेश जारिया ने मुझे अपने ऑर्गेनिक फार्म का आइडिया बताया और खेत से सीधे घरों तक ताजे फल-सब्जियां पहुंचाने की बात कही, तो मुझे यह पहल बेहद सकारात्मक लगी, गिर वेजिज के तहत शुरूआत में मुंबई के कांदिवली, बोरीवली, दहिसर और मालाड क्षेत्रों में हफ्ते में दो बार ऑर्गेनिक फल-सब्जियों की डिलीवरी की जाएगी। कंपनी का लक्ष्य किसानों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संपर्क स्थापित कर शुद्ध, ताजा और केमिकल-फ्री खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराना है।

नानावटी मैक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने निकाला दिल के आकार का चेस्ट ट्यूमर

मुंबई। एक दुर्लभ और बेहद जटिल सर्जरी करते हुए नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने मरीज के सीने में से दिल के आकार का बड़ा कैंसरस बोन ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला है। इस ट्यूमर को हटाने के बाद टीम ने मरीज के शरीर को ध्यान में रखकर विशेषरूप से तैयार किए गए 3डी-प्रिंटेड टाइटेनियम इम्प्लांट की मदद से मरीज के सीने का रीबिल्ट किया है। मुंबई की 41 वर्षीय फिटनेस ट्रेनर को अपने सीने में अप्रत्याशित सूजन जैसी लग रही थी। इमेजिंग और बायोप्सी के बाद पता चला कि उन्हें ग्रेड2 कॉन्ड्रोसारकोमा था। यह हड्डियों के कैंसर का एक प्रकार है। डॉ. मनीष अग्रवाल इस केस को देख रहे थे। स्कैन में सामने आया कि यह ट्यूमर स्टर्नम (ब्रेस्टबोन) से उभरते हुए नजदीकी रिब्स तक पहुंच गया था। इस तरह के कैंसर के मामले में कीमोथेरेपी या रेडिएशन से बहुत अच्छे नतीजे नहीं मिलते हैं। ऐसे में प्रभावी इलाज के लिए सर्जरी करते हुए ट्यूमर को पूरी तरह हटाना ही विकल्प होता है। सर्जरी को ऑर्थोपेडिक ऑन्कोसर्जरी के वाइस चेयरमैन एवं लीड- इनोवेशंस डॉ. मनीष अग्रवाल और थोरेसिक सर्जरी के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. जॉर्ज करिमुंडकल के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। इसमें प्लास्टिक एवं रीकंस्ट्रक्टिव सर्जन समेत मल्टीडिसिप्लिनरी टीम ने सहयोग किया। कैंसर को पूरी तरह से हटाने के लिए सर्जिकल टीम को सेंट्रल स्टर्नम को पूरी तरह अलग करना पड़ा। साथ ही कई रिब्स के हिस्सों को भी काटा गया। इससे चेस्ट वॉल में बड़ी खाली जगह बन गई थी। इस गैप को रीबिल्ट करना न केवल दिल एवं फेफड़े की सुरक्षा के लिए जरूरी था, बल्कि मरीज को सामान्य सांस लेने और आसानी से चलने-फिरने में सक्षम बनाने के लिए भी यह जरूरी था। मेश और सीमेंट जैसे पुराने मैटेरियल्स के बजाय टीम ने मरीज के शरीर को ध्यान में रखकर 3डी-प्रिंटेड टाइटेनियम इम्प्लांट तैयार किया। इसे भारत में ही हाई-प्रिसिजन टेक्नोलॉजी की मदद से तैयार किया गया था। पूरी प्रक्रिया हॉस्पिटल के ही 3डी लैब में की गई। आमतौर पर जटिल सर्जिकल प्लानिंग और मरीजों की जरूरत के हिसाब से इम्प्लांट के लिए इस लैब का प्रयोग होता है। इस इम्प्लांट में कुल नौ टुकड़े प्रयोग किए गए। इनमें से टुकड़ा ब्रेस्टबोन के लिए और आठ टुकड़े रिब्स के लिए प्रयोग किए गए। इन सभी को बची हुई रिब्स और ब्रेस्टबोन के साथ पेंच की मदद से फिट किया गया, जिससे उनके सीने को नैचुरल शेप में लाना संभव हुआ और सांस लेने के दौरान सामान्य मूवमेंट सुनिश्चित हुई। सभी टाइटेनियम रिब को मरीज की रिब के हिसाब से डिजाइन किया गया था। इन्हें लैटिस स्ट्रक्चर में तैयार किया गया, जिससे सभी बोन कॉन्टैक्ट एरिया में ग्रोथ को सपोर्ट मिले। इम्प्लांट को पुणे के 3डी इनक्रेडिबल ने मैन्यूफैक्चर किया था। रीकंस्ट्रक्शन को प्रोलीन मेश और सीने के दोनों तरफ की मसल्स से कवर किया गया, जिससे इम्प्लांट को मजबूत सुरक्षा मिल सके। सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी तेजी से हो रही है और वह सामान्य तरीके से सांस लेना और चलना-फिरना कर पा रही हैं। इस मामले को लेकर ऑर्थोपेडिक ऑन्कोसर्जरी के वाइस चेयरमैन एवं नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के लीड- इनोवेशंस डॉ. मनीष अग्रवाल ने कहा, ब्रेस्टबोन में ट्यूमर का मामला दुर्लभ होता है। इस मामले में कैंसर दिल और फेफड़े के एकदम नजदीक था।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल स्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जन सेवा केंद्र संचालक से लूट का खुलासा

पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र में जन सेवा केंद्र संचालक को गोली मारकर लूट करने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, नगदी तथा अवैध असलहे बरामद हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में जफराबाद, गौराबादशाहपुर थाना पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई की।

बताया गया कि गोसाईपुर गांव निवासी निशा देवी ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनके पति प्रेमचंद यादव जब जन सेवा केंद्र से घर लौट रहे थे, तभी अज्ञात बदमाशों ने उन्हें गोली मारकर उनकी मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और बैग में रखा नकद पैसा लूट लिया। इस मामले में थाना जफराबाद में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

बुधवार की रात पुलिस टीम कबूलपुर पुलिया के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर बेलाव पुल के पास संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर बदमाश मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगे, लेकिन कच्चे रास्ते में बाइक गिर गई। इसके बाद बदमाश बगीचे की ओर भागते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगे।

फायरिंग में उपनिरीक्षक अरविंद कुमार सिंह के हाथ में गोली लगी, जबकि एक गोली थानाध्यक्ष की बुलेटप्रूफ जैकेट में जा लगी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी घायल हो गया और तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में आदर्श यादव उर्फ अलगू निवासी विशुनपुर बसवत, दिवाकर कुमार निवासी सकरा और अमन यादव निवासी बगथरी थाना गौराबादशाहपुर शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से .32 बोर पिस्टल, .315 बोर तमंचा, कारतूस, लूटी गई मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और 27 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने एक साथी अनुराग यादव के साथ मिलकर 11 मार्च की रात गोसाईपुर गांव में जन सेवा केंद्र संचालक को गोली मारकर लगभग 90 हजार रुपये, मोबाइल और मोटरसाइकिल लूटी थी। पुलिस अन्य फरार आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस ने घायल आरोपियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है तथा मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अलविदा जुमे पर जौनपुर की मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़, अमन-चैन की मांगी दुआ

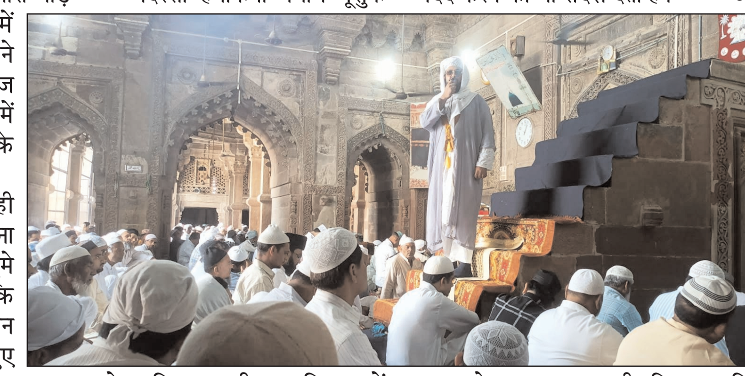

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रमजान माह के आखिरी शुक्रवार अलविदा जुमे के मौके पर शहर की प्रमुख मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने मस्जिदों में पहुंचकर नमाज अदा की और देश-प्रदेश में अमन, शांति और भाईचारे के लिए दुआ मांगी।

शहर की प्रमुख शाही अटाला मस्जिद में मौलाना अहमद नवाज ने नमाजे जुमे की इमामत कराई, जबकि मौलाना आफाक ने रमजान की फजीलत बयान करते हुए कहा कि रमजान का महीना इबादत और बरकतों का महीना होता है। इस महीने में मुस्लिम समाज के लोग रोजा रखने के साथ विशेष नमाज तरावीह अदा करते हैं, जो केवल रमजान में ही पढ़ी जाती है।

वहीं शाही जामा मस्जिद (बड़ी मस्जिद) में मौलाना अबू हुरैरा ने नमाज अदा कराई और मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे की मजबूती के लिए विशेष दुआ कराई।

मदरसा हनफिया नवाब यूसुफ रोड स्थित मदीना मस्जिद में मौलाना अहमद रजा जाफरी ने नमाज पढ़ाई। इस दौरान मौलाना कयामुद्दीन ने अपने संबोधन में कहा कि रमजान इबादत के साथ-साथ गुनाहों से बचने और तौबा करने का भी महीना है।

खानकाह मस्जिद में मौलाना हाफिज मेराज ने कहा कि रमजान का महीना जरूरतमंदों, गरीबों, बेसहारा लोगों और विधवाओं की मदद करने का भी संदेश देता है।

इसके अलावा शाही किला मस्जिद, शाही झंझरी मस्जिद, शाही लाल दरवाजा मस्जिद, लाल मस्जिद, मोहम्मद हसन मस्जिद, इलाही मस्जिद उर्दू बाजार, आया मस्जिद, आलम मस्जिद, गौशाला मस्जिद, जकरिया मस्जिद, चहारसू मस्जिद, शाही पुल शेर मस्जिद, इंद्रा मार्केट मस्जिद, कचहरी मस्जिद, रेलवे स्टेशन मीरपुर मस्जिद और मियांपुर मस्जिद सहित शहर और आसपास की मस्जिदों में भी अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई।

मरकजी सीरत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने बताया कि सभी जुमा मस्जिदों में अलविदा जुमे की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। नगर पालिका की ओर से मस्जिदों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था कराई गई और चूने का छिड़काव कराया गया, जिससे नमाजियों को सुविधा मिली।

उन्होंने प्रशासन द्वारा रमजान के दौरान उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि इससे रोजेदारों और नमाजियों को काफी सहूलियत मिल रही है।

सिपाह की शाही ईदगाह में सुबह 8 बजे, नरहन ईदगाह में 8:15 बजे अदा होगी ईद की नमाज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत में ईदुलफितर के अवसर पर नगर के मोहल्ला सिपाह स्थित शाही ईदगाह परिसर में ईद की नमाज सुबह 8:00 बजे अदा की जाएगी, जबकि नरहन ईदगाह में नमाज का समय सुबह 8:15 बजे निर्धारित किया गया है। यह जानकारी हजरत मौलाना रईसुल खैरी साहब, मुफ्तिगंज ने दी है।

उन्होंने शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज से पहले मोहल्ला शेखजादा प्रथम स्थित शाही जामा मस्जिद में नमाजियों को संबोधित करते हुए नमाज के समय की जानकारी दी।

मौलाना रईसुल खैरी ने कहा कि इन दिनों तेज धूप रहने की संभावना है, इसलिए सभी नमाजियों से अपील है कि समय का विशेष ध्यान रखते हुए ईदगाह पर निर्धारित समय से पहले पहुंचने का प्रयास करें, ताकि समय पर ईदुलफितर की नमाज अदा की जा सके और किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने लोगों से ईद का त्योहार आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाने की भी अपील की। मौलाना ने कहा कि ईद खुशी, आपसी प्रेम और इंसानियत का संदेश देने वाला पर्व है, इसलिए सभी लोग मिलजुलकर इसे मनाएं और समाज में भाईचारा बनाए रखें। उन्होंने नमाजियों से यह भी कहा कि ईद के दिन अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखें तथा एक-दूसरे का सम्मान करते हुए त्योहार की खुशियां साझा करें।

29 सीटों वाले सुपर स्पेशलिटी कोर्स में जौनपुर की बेटी डॉ.हनीफा सिद्दीकी का चयन

रिपोर्ट: डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के शाहगंज क्षेत्र के ग्राम बरंगी की मूल निवासी डॉ.हनीफा फुआद असद सिद्दीकी ने देश के प्रतिष्ठित सुपर स्पेशलिटी कोर्स एमसीएच हेड एंड नेक ऑनको सर्जरी में चयनित होकर जौनपुर का नाम रोशन किया है। इस अत्यंत कठिन और प्रतिष्ठित कोर्स में पूरे देश में लगभग 29 सीटें ही होती हैं, जिनके लिए हजारों डॉक्टर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

बताया जा रहा है कि डॉ.हनीफा सिद्दीकी संभवतः महाराष्ट्र की पहली और भारत की दूसरी मुस्लिम महिला डॉक्टर हैं जिन्हें इस दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में प्रवेश मिला है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र और परिवार में खुशी का माहौल है।

डॉ. हनीफा सिद्दीकी ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च (आईआईएमएसआर) औरंगाबाद से एमबीबीएस तथा मुंबई स्थित टोपीवाला नेशनल मेडिकल कॉलेज एवं बीवाईएल नायर हॉस्पिटल से एमएस (ईएनटी) की पढ़ाई पूरी की है।

डॉ.हनीफा के पति डॉ.फुआद असद सिद्दीकी एक प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं। उनके पिता आफताब अहमद और माता गुड़िया आफताब शेख ने बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए खुशी जाहिर की है। जैसे ही यह खबर विकास खंड सोधी शाहगंज के गांव बरंगी पहुंची, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बेटी की सफलता पर गर्व जताया।

बताया जाता है कि डॉ.हनीफा की शुरूआती शिक्षा मानी कलां स्थित डॉ. वकील नजीर इंटर कॉलेज से हुई। कॉलेज के संस्थापक डॉ.वकील अहमद के अनुसार हनीफा बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी और मेहनती छात्रा रही हैं।आगे की पढ़ाई के लिए उनके पिता उन्हें मुंबई ले गए, जहां उन्होंने अपनी मेडिकल शिक्षा पूरी की और आज इस मुकाम तक पहुंचीं।

डॉ. हनीफा सिद्दीकी की सफलता को आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया जा रहा है। परिवार और क्षेत्र के लोगों का कहना है कि हौसला और मेहनत हो तो हर मंजिल हासिल की जा सकती है।

इस उपलब्धि पर ससुर असद सिद्दीकी सहित निसार अहमद, तुफैल अहमद, मिर्जा इमरान बेग, हाजी खुर्शीद अहमद, डॉ. वकील अहमद, डॉ. शमीम अहमद, डॉ. शकील अहमद, शहनवाज अहमद, सदाब अहमद और शाहबाज अहमद समेत कई लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पांच पर मुकदमा दर्ज

गौराबादशाहपुर/जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना गौराबादशाहपुर क्षेत्र के गौरा वार्ड नंबर 15 में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरा वार्ड नंबर 15 निवासी अनील सोनकर पुत्र स्वर्गीय मेवालाल सोनकर ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि 11 मार्च 2026 की शाम करीब 6 बजे वह अपने घर के पास मौजूद था। उसी दौरान पड़ोस के रहने वाले प्रमोद सोनकर, विक्की सोनकर, बीरबल सोनकर, दशरथ सोनकर और गौतम सोनकर वहां पहुंचे और उसे घेर लिया। आरोप है कि सभी ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों और डंडों से उसकी पिटाई कर दी। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। घटना में पीड़ित को काफी चोटें आई हैं।

इस संबंध में थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर प्रमोद, विक्की, बीरबल, दशरथ और गौतम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 191(2), 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घायल का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है और मामले की जांच उपनिरीक्षक रवि प्रकाश को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीपल की शाखा गिरने से पिकअप क्षतिग्रस्त, लखनऊ-बलिया मार्ग पर दो घंटे लगा जाम

जीशान अहमद खान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। फूलपुर बस स्टॉप के पास मुख्य राज्य मार्ग पर शुक्रवार सुबह पीपल के पेड़ की बड़ी शाखा गिरने से सड़क पर लंबा जाम लग गया। इस दौरान एक पिकअप वाहन शाखा की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह लगभग आठ बजे फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के नगर पंचायत स्थित बस स्टॉप के पास एक पीपल के पेड़ की भारी शाखा अचानक लखनऊ-बलिया मार्ग पर गिर गई। उसी समय वहां से गुजर रहा एक पिकअप वाहन उसकी चपेट में आ गया, जिससे वाहन को नुकसान पहुंचा।

शाखा गिरने से पूरा मार्ग अवरुद्ध हो गया और दोपहिया व चारपहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। मार्ग बंद होने के कारण वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों से गुजरने लगे, जबकि भारी वाहनों की करीब एक किलोमीटर लंबी कतार लग गई।

घटना की सूचना मिलते ही फूलपुर कोतवाली पुलिस, वन विभाग की टीम और नगर पंचायत के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर पेड़ की गिरी शाखा को काटकर सड़क से हटाया। करीब साढ़े नौ बजे मार्ग को पूरी तरह साफ कर यातायात सुचारू करा दिया गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

अवकाश प्राप्त प्रोफेसर की पत्नी का निधन, 19 मार्च को श्रद्धांजलि सभा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर निवासी प्रबंध अध्ययन संकाय के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर बीडी शर्मा की पत्नी देवी विद्यावती जी का 6 मार्च की रात्रि में निधन हो गया। बताया गया कि 1 मार्च को उनका स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया था, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए पहले मेडिकल कॉलेज और बाद में नईगंज स्थित सरस्वती हार्ट केयर सेंटर एवं मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद स्वास्थ्य में सुधार होने पर उन्हें 6 मार्च को डिस्चार्ज कर घर लाया गया, लेकिन उसी रात उनके आवास पर उनका निधन हो गया। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए उनके पैतृक गांव धनेशपुर (पांचालपुरम), जनपद गाजीपुर स्थित पैतृक निवास पर रखा गया। परिजनों के अनुसार 19 मार्च को त्रयोदशाह, श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया है।

शिवदयाल चौरसिया की जयंती पर उन्हें किया गया याद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के कटघरा स्थित पीडीए भवन में महान समाजवादी चिंतक, सामाजिक न्याय के पुरोधा एवं पूर्व राज्यसभा सांसद शिवदयाल चौरसिया की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मो.अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा उन महान व्यक्तियों का सम्मान देती है जिन्होंने समाज और देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय शिवदयाल चौरसिया एक महान समाजवादी चिंतक थे, जिन्होंने जीवनभर सामाजिक न्याय, समानता और कमजोर वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी।

उन्होंने कहा कि आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव देश में सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और समाज के हर कमजोर वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए समाजवादी विचारधारा को और मजबूत करना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि स्वर्गीय शिवदयाल चौरसिया के विचारों और मिशन को आगे बढ़ाया जाएगा और वर्ष 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी मजदूर सभा के प्रदेश सचिव संदीप मौर्य ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, समाजसेवी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

एलपीजी खपत कम करने और घरेलू गैस के दुरुपयोग पर रोक के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में जनपद के होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों, एलपीजी कंपनियों के जिला स्तरीय बिक्री अधिकारियों तथा खाद्य एवं रसद विभाग और खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न ईंधन आपूर्ति संबंधी

संभावित चुनौतियों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को निर्देश दिया कि एलपीजी आधारित ईंधन की खपत को न्यूनतम स्तर पर रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर कार्य करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग किसी भी स्थिति में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर न किया जाए, क्योंकि यह गैरकानूनी है। इसके साथ ही उन्होंने प्रतिष्ठानों में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों के अधिक से अधिक उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। आवश्यकता पड़ने पर विद्युत आधारित उपकरण, लकड़ी या कोयले का भी उपयोग किया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि पके हुए भोजन को बार-बार गर्म करने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए, ताकि ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों को घरेलू गैस के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि ईंधन आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन उपभोक्ताओं को समयबद्ध तरीके से ईंधन उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। साथ ही लोगों से अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर, पेट्रोल या डीजल का भंडारण न करने की भी अपील की गई। यह सूचना जिला प्रशासन द्वारा जनहित में जारी की गई है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में संजीव कोठारी बने ऑनरेरी प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

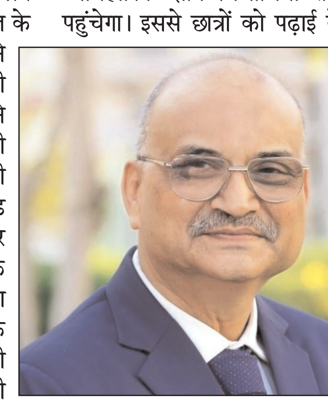

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में उद्योग और अकादमिक जगत के बीच समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुजरात के अहमदाबाद निवासी उद्योग विशेषज्ञ संजीव कोठारी को फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग में ऑनरेरी प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति स्क्रीनिंग सह चयन समिति की संस्तुति के बाद विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की 24 फरवरी 2026 को हुई बैठक में अनुमोदित की गई। विश्वविद्यालय द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह पद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस से संबंधित दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस पहल से उद्योग जगत के विशेषज्ञों का अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों तक पहुंचेगा। इससे छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ उद्योग की वास्तविक जरूरतों और कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी होगी।

नियुक्ति की शर्तों के अनुसार संजीव कोठारी का कार्यकाल एक वर्ष का होगा और उन्हें आदेश जारी होने की तिथि से एक माह के भीतर कार्यभार ग्रहण करना होगा।

संजीव कोठारी ने इस पद के लिए विश्वविद्यालय से किसी प्रकार का पारिश्रमिक न लेने की सहमति दी है। उन्होंने कहा कि उनकी यह सेवा पूर्वांचल क्षेत्र के विकास और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित है।

बताया जाता है कि संजीव कोठारी इससे पहले अदानी ग्रुप में टेक्नो हेड के पद पर कार्य कर चुके हैं। साथ ही अदानी ग्रीन एनर्जी और ऑस्ट्रेलिया की विश्व प्रसिद्ध कारमाइकल कोयला खदान परियोजना में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने उम्मीद जताई है कि संजीव कोठारी के अनुभव और विशेषज्ञता से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं और व्यावहारिक पक्षों को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी पेशेवर क्षमता और रोजगारपरक कौशल में वृद्धि होगी।

कांशीराम के मिशन को सामाजिक न्याय आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रहे अखिलेश यादव: मो.अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ नई दिल्ली मो.अरशद खान, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी व पूर्व विधायक जौनपुर सदर ने कहा कि मान्यवर कांशी राम के अधूरे मिशन को आज अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के व्यापक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि बी.आर.अम्बेडकर ने भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों की नई दिशा दी। बाबा साहब ने दलित, पिछड़े, आदिवासी और वंचित समाज को जागरूक करते हुए एक ऐसे संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाई, जिसने सभी वर्गों को समान अधिकार देने का रास्ता प्रशस्त किया।

अरशद खान ने कहा कि बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और बहुजन समाज को एक राजनीतिक शक्ति के रूप में संगठित करने का ऐतिहासिक कार्य कांशीराम ने किया। उन्होंने दलित, पिछड़े, आदिवासी और वंचित समाज को एक वैचारिक आंदोलन से जोड़ते हुए सामाजिक न्याय की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) की विचारधारा के माध्यम से सामाजिक न्याय, सम्मान और आबादी के अनुपात में शासन-प्रशासन में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मो.अरशद खान ने बताया कि 15 मार्च को समाजवादी पार्टी देशभर में कांशीराम की जयंती मनाकर सामाजिक न्याय और बहुजन एकता के संकल्प को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी के लिए एक ऐतिहासिक संकल्प है।

मानीकलां बड़ी जामा मस्जिद में अकीदत के साथ अदा हुई अलविदा जुमे की नमाज

मो.आसिफ सिद्दीकी

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय क्षेत्र के कस्बा मानीकलां में रमजान माह के आखिरी शुक्रवार अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अकीदत के साथ अदा की गई। बड़ी जामा मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाजियों ने पहुंचकर नमाज अदा की और देश-प्रदेश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी।

नायब नाजिम हाफिज मोहम्मद अखलद ने बताया कि बड़ी जामा मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद अशहद कासमी पुत्र मरहूम हाफिज रियाज अहमद खान ने नमाज अदा कराई। इस दौरान मुफ्ती मोहम्मद अमजद कासमी ने तकरीर करते हुए रमजान की अहमियत और ईदुल फितर के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने जानकारी दी कि ईदुल फितर की नमाज कस्बे के पश्चिम दिशा स्थित ईदगाह में सुबह 7:30 बजे अदा की जाएगी। नमाज से पहले प्रत्येक व्यक्ति से फितरा के रूप में 50 रुपये अदा करने की अपील की गई है।

मौलाना ने नमाजियों से अपील की कि ईद की नमाज सड़क पर न पढ़ें, बल्कि केवल ईदगाह में ही अदा करें। उन्होंने यह भी बताया कि जिस स्थान पर नमाज की अनुमति न हो, वहां नमाज अदा करना उचित नहीं है। उन्होंने सभी लोगों से ईद का पर्व आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाने की अपील किया।

किसानों की समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग, अरशद खान ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली/लखनऊ भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव तथा जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने देश के किसानों की समस्याओं को लेकर प्रधानमंत्री को एक विस्तृत पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र के माध्यम से किसानों के बढ़ते आर्थिक संकट पर चिंता जताते हुए सरकार से तत्काल ठोस और दीर्घकालिक नीतिगत कदम उठाने की मांग की है।

अरशद खान ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के साथ ग्रामीण विकास में उनकी अहम भूमिका है। इसके बावजूद आज देश के करोड़ों किसान बढ़ती उत्पादन लागत, कर्ज के बोझ, कृषि बाजार की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यदि भारत को मजबूत और स्थायी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनना है तो किसानों को आर्थिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन और स्थिर आय सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। इसके लिए केंद्र सरकार को व्यापक कृषि सुधार लागू करने चाहिए।

पत्र में उन्होंने कई प्रमुख मांगें भी रखी हैं। इनमें भूमि अधिग्रहण के मामलों में किसानों को वर्तमान सर्किल रेट से कम से कम छह गुना मुआवजा देने, हर तीन वर्ष में सर्किल रेट की अनिवार्य समीक्षा करने, कृषि कार्यों के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने और किसानों को ब्याज मुक्त कृषि ऋण देने की मांग शामिल है।

इसके अलावा उन्होंने किसानों और कृषि मजदूरों के बच्चों को मेडिकल, इंजीनियरिंग और विश्वविद्यालय स्तर तक मुफ्त उच्च शिक्षा देने, देशव्यापी किसान कर्ज माफी योजना लागू करने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) को कानूनी दर्जा देने की भी मांग की है।

अरशद खान ने अपने पत्र में जम्मू-कश्मीर में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से जम्मू और श्रीनगर में एक-एक लॉ यूनिवर्सिटी और एक-एक मेडिकल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान केवल आर्थिक जरूरत नहीं बल्कि राष्ट्रीय न्याय, सामाजिक संतुलन और दीर्घकालिक विकास का आधार है। उन्होंने केंद्र सरकार से इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

सेंट डेविड स्कूल में इफ्तार पार्टी का आयोजन

-निशानाथ

खेतासराय ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। माह-ए-रमजान के पवित्र अवसर पर क्षेत्र के मनेछा गांव स्थित सेंट डेविड स्कूल परिसर में गुरुवार को रमजान के 22वें रोजे पर स्कूल प्रबंधन की ओर से इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदारों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर सामूहिक रूप से इफ्तार किया तथा देश व दुनिया में अमन-शांति, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआ मांगी। इफ्तार से पूर्व रोजेदारों ने अल्लाह की बारगाह में दुआ की। इसके बाद मौलाना राफे ने नमाज अदा कराई। नमाज के बाद उन्होंने कहा कि रमजान का महीना इबादत, सब्र, त्याग और बलिदान का महीना होता है। इस महीने में रोजा रखकर इंसान अपने अंदर आत्मसंयम, सहनशीलता और इंसानियत के जज्बे को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि रमजान का संदेश आपसी भाईचारा, प्रेम और जरूरतमंदों की मदद करना है।

इफ्तार पार्टी में शामिल लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और सामाजिक सौहार्द व एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। रोजेदारों के लिए खजूर, फल, शरबत और अन्य व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई थी। इस अवसर पर डॉ. तबरेज आलम, आनंद सिंह, डॉ. एम.एस. खान, नफीस अहमद, एजाज अहमद, शारिक खान एडवोकेट, पत्रकार संघ अध्यक्ष एखलाक खान, डॉ. सरफुद्दीन, मिनहाज इराकी, मो. शोएब, जाहिद बेग सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के फाउंडर मैनेजर डॉ. रईश खान ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

बिजली उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की न हो कोई असुविधा : विधायक

* गर्मी से पहले बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर विधायक ने डाक बंगला में विद्युत निगम के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक
* जले ट्रांसफार्मर बदलने और जर्जर तारों की मरम्मत के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी गर्मी के महीनों में संभावित विद्युत संकट को देखते हुए शुक्रवार को शाहगंज के डाक बंगला में विधायक रमेश सिंह ने विद्युत निगम के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान विधायक रमेश सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जले हुए ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलने, जर्जर और ढीले विद्युत तारों की समय रहते मरम्मत कराने तथा अतिभारित ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ जाती है, इसलिए विभाग को अभी से पूरी तैयारी कर लेनी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो और क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहे। विधायक रमेश सिंह ने कहा कि जनता को बेहतर विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि गर्मी के मौसम में क्षेत्रवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके। बैठक में अधिशाषी अभियंता ए.के. धर्मा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंडिया कप सीजन - 4 के सुपर सिक्स में राजस्थान और महाराष्ट्र ने मारी बाजी

पटना। 24 इंडिया कप स्पोर्ट्स द्वारा राजधानी के ऊर्जा स्टेडियम में आयोजित नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट लीग इंडिया कप सीजन - 4 के सुपर सिक्स मुकाबलों में राजस्थान और महाराष्ट्र की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः पहली और दूसरी पारी में जीत दर्ज की। रोमांचक मुकाबलों में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और अपनी टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहले मैच में राजस्थान के इजाज मंडेला मन ऑफ द मैच रहे जबकि दूसरे मैच में महाराष्ट्र के केतन महात्रे को मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला।

भ्रष्टाचार और घोटाले के विरुद्ध 1677 दिनों से सत्याग्रह जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ चलाया जा रहा सत्याग्रह आन्दोलन शुक्रवार को 1677वें दिन भी जारी रहा। आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस अनवरत धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में हुई अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया जा रहा है। यशवन्त कुमार गुप्त ने स्पष्ट किया कि यह आन्दोलन जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और समस्या के समाधान तक जारी रहेगा। सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। इस अवसर पर नन्दलाल रावत, राम बहाल यादव, आदित्य नारायण शर्मा, उदय प्रताप सिंह, राजितराम यादव, विजय प्रकाश मिश्र, प्रेम प्रकाश मिश्र, राम आसरे विश्वकर्मा, विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पाण्डेय अधिवक्ता सहित दर्जनों समर्थकों ने उपस्थित होकर आन्दोलन को अपना समर्थन दिया।

बिंद समाज विकास संघ सूरत महानगर द्वारा होली स्नेह सम्मेलन संपन्न

सूरत, गुजरात (उत्तरशक्ति)। बिंद समाज विकास संघ सूरत गुजरात इकाई द्वारा देवेंद्र नगर गेट नंबर-4, पांडेसरा (जय अंबे मां ब्यूटी पार्लर के सामने) में होली स्नेह सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला प्रदेश अध्यक्ष बिंदु बिंद तथा जिला-प्रदेश के कार्यकताओं एवं सहयोगियों के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर सूरत के विभिन्न क्षेत्रों से समाज के हजारों स्वजातीय बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बिंद समाज विकास संघ सभी स्वजातीय संगठनों में एक सशक्त और सक्रिय संगठन है, जो समाज में स्वास्थ्य, शिक्षा, जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, रोटी-बेटी और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निरंतर कार्य कर रहा है। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सभी लोगों को संघ के साथ तन-मन-धन से जुड़कर सहयोग करना चाहिए तथा सूरत महानगर में जिला, प्रदेश और शाखा इकाइयों का गठन कर संगठन के नीति-नियमों के आधार पर कार्य करना चाहिए।

संत श्री रघुवर दास ने अपने संबोधन में कहा कि वे संघ को हर संभव सहयोग देने का प्रयास करेंगे। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं बिंद समाज के सामाजिक गुरु डॉ. शेषधर बिंद ने सभी कार्यकताओं, पदाधिकारियों और उपस्थित महिला-पुरुषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ समाज के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़ा रहेगा और देश व समाज के विकास में अपना योगदान देता रहेगा। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष संजय कुमार बिंद, जिला सचिव चंद्रशेखर बिंद, जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार बिंद, राकेश कुमार बिंद, सुरेश कुमार बिंद, भीम केवट, फूलचंद बिंद, गुलाबचंद बिंद, दीनानाथ बिंद, जीत बिंद, आर्मी क्राइम ब्रांच में कार्यरत अनिल कुमार बिंद, महिला जिला अध्यक्ष संजना बिंद, सचिन शाखा अध्यक्ष ज्योति बिंद, रेखा केवट, सुनीता, शीतल निषाद, अर्चना निषाद, पूनम बिंद, पिंकी बिंद, हिरानी बिंद और संगीता बिंद सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे। मुंबई से पहुंचे पदाधिकारियों और कार्यकताओं में मानखुर्द शाखा अध्यक्ष जयकिशन बिंद, राष्ट्रीय सचिव विनोद कुमार बिंद, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अजय कुमार बिंद, युवासेना अध्यक्ष दिनेश कुमार बिंद, बीएसवीएस रिपोर्टर अरविंद कुमार बिंद, भिवंडी से अशोक कुमार बिंद और उर्मिला बिंद शामिल रहे।

चार वर्षीय बच्ची ने रखा पहला रोजा, क्षेत्र में चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । केराकत पवित्र माह-ए-रमजान में जहां बड़े इबादत में मशगूल हैं, वहीं बच्चों में भी रोजा और नमाज के प्रति गहरी आस्था देखने को मिल रही है। इसी क्रम में क्षेत्र के मुर्की गांव की चार वर्षीय बच्ची हेरा हसन ने अपना पहला रोजा रखकर लोगों को हैरान कर दिया। बताया जाता है कि मुर्की गांव निवासी मोहम्मद हसन की पुत्री हेरा हसन ने पूरे दिन का रोजा रखा और पांचों वक्त की नमाज भी अदा की। परिवार के अनुसार हेरा रोजे के दौरान भोर करीब तीन बजे सेहरी के लिए अपने घरवालों को भी जगाती है और सेहरी करने के बाद तिलावत में लग जाती है। कम उम्र में बच्ची के इस जज्बे को देखकर क्षेत्र के लोग उसकी सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इतनी कम उम्र में रोजा और नमाज के प्रति उसकी लगन काबिले-तारीफ है। बच्ची की मां उम्मे हबीबा ने बताया कि रमजान का महीना मुसलमानों के लिए बेहद पवित्र और इबादत का समय होता है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद उनकी बेटी ने रोजा रखा, जो परिवार के लिए खुशी और गर्व की बात है।

भ्रष्टाचार और घोटाले के विरुद्ध 1677 दिनों से सत्याग्रह जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ चलाया जा रहा सत्याग्रह आन्दोलन शुक्रवार को 1677वें दिन भी जारी रहा। आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस अनवरत धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में हुई अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया जा रहा है। यशवन्त कुमार गुप्त ने स्पष्ट किया कि यह आन्दोलन जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और समस्या के समाधान तक जारी रहेगा। सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। इस अवसर पर नन्दलाल रावत, राम बहाल यादव, आदित्य नारायण शर्मा, उदय प्रताप सिंह, राजितराम यादव, विजय प्रकाश मिश्र, प्रेम प्रकाश मिश्र, राम आसरे विश्वकर्मा, विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पाण्डेय अधिवक्ता सहित दर्जनों समर्थकों ने उपस्थित होकर आन्दोलन को अपना समर्थन दिया।

निर्माण श्रमिकों की पुत्रियों के लिए 26 अप्रैल को होगा सामूहिक विवाह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सहायक श्रमायुक्त देवब्रत यादव ने जानकारी दी है कि उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन विभाग के निर्देश पर Uttar Pradesh Building and Other Construction Workers Welfare Board द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत पात्र निर्माण श्रमिकों की पुत्रियों एवं पंजीकृत महिला श्रमिकों के स्वयं के विवाह के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन 26 अप्रैल 2026 को वाराणसी में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जनपद जौनपुर के पंजीकृत निर्माण श्रमिक सामूहिक विवाह में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए श्रमिक का बोर्ड में पंजीकरण 10 अप्रैल 2026 तक कम से कम एक वर्ष पूर्ण होना चाहिए तथा पंजीकरण कार्ड अद्यतन या नवीनीकृत होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ परिवार रजिस्टर या राशन कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति, वर और वधू की आयु संबंधी प्रमाण पत्र (जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट या परिवार रजिस्टर), पिछले 12 महीनों में कम से कम 90 दिन निर्माण कार्य में लगे होने का प्रमाण या स्वघोषणा पत्र, समान योजना का लाभ न लेने का स्वघोषणा पत्र तथा आवेदक श्रमिक, वर और वधू के पासपोर्ट साइज फोटो और आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा। इच्छुक श्रमिक अपना आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ 10 अप्रैल 2026 की शाम 5 बजे तक सहायक श्रमायुक्त कार्यालय जौनपुर में जमा कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या के लिए कार्यालय के दूरभाष नंबर 05452-240478 पर संपर्क किया जा सकता है।

कृपाशंकर सिंह के प्रयास से दो करोड़ स्वीकृत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोकसभा अंतर्गत तहसील बदलापुर विकास खंड महराजगंज अंतर्गत ग्रामसभा फत्तूपुर में स्थित परमहंस योगाश्रम सहज धाम के परिसर में बन रहे भव्य भगवान श्री कृष्ण जी के मंदिर (श्री नारायण दिव्य धाम मंदिर) के सुंदरीकरण नवीनीकरण एंव साधु संतों भक्तों के ठहरने के लिए भवन निर्माण एंव परिसर में छात्रों को संस्कृति शिक्षा और पठन पाठन हेतु पुस्तकालय (बहुउद्देशीय हॉल) बनाने और विभिन्न आवश्यक कार्य करवाने के लिए पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह द्वारा दिए गए प्रस्ताव एंव निवेदन पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री (पर्यटन विभाग) जयवीर सिंह के द्वारा दो करोड़ की धनराशि स्वीकृती प्रदान की गई। जिससे क्षेत्रवासियों में हर्ष व्याप्त है।

पक्षियों की प्यास बुझाएगा 'ग्रीन फोर्स बाँसवारी

* 50 विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी दानों की की गयी थी व्यवस्था
* लोगों नें नन्हें मुन्ने बच्चों की मेहनत को खूब प्रसंशा की

-जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। के केराकत तहसील क्षेत्र के बाँसवारी गाँव में शुरू हुआ 'पक्षी मित्र' अभियान। बढ़ती तपिश और भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के संरक्षण के लिए जनपद के केराकत थाना क्षेत्र स्थित बाँसवारी गाँव में एक अनूठी पहल शुरू की जा रही है। 'ग्रीन फोर्स बाँसवारी' समूह के बच्चों और युवाओं द्वारा 'पक्षी मित्र' अभियान चलाया गया है। इस अभियान का मुख्य आकर्षण 8 से 11 वर्षीय नन्हे वालंटियर व गांव के युवा रहे। जिन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर गाँव के 50 विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के पात्र (सकोरे) और दाने की व्यवस्था की। ग्रीन फोर्स के संस्थापक और उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत शशिकांत ने बताया कि इस समूह का उद्देश्य बच्चों में बचपन से ही सेवा और प्रकृति के प्रति प्रेम जगाना तथा गाँव के बच्चों और युवाओं को एक सकारात्मक मंच देना है। बच्चों के लिए विशेष सफेद टोपियां, मुस्कुराते हुए पेड़ वाले 'ग्रीन फोर्स' स्टिकर, पक्षियों के लिए पानी के पात्र (सकोरे) तैयार किए गए हैं, ताकि ग्रामीण भी इस मुहिम से जुड़ सकें। अभियान के दौरान ग्रीन फोर्स के सभी सदस्यों ने अनुशासित ढंग से गाँव की गलियों और सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूलों, मंदिरों और बगीचों में जाकर पक्षियों के लिए दाना पानी के सकोरे लगाए और पक्षी संरक्षण की शपथ ली। संस्थापक शशिकांत ने बताया कि ₹एक पुलिसकर्मी होने के नाते अनुशासन हमारे जीवन का हिस्सा है, और यही संस्कार हम इन बच्चों में डाल रहे हैं ताकि वे भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बनें । ग्रीन फोर्स बाँसवारी ने समस्त क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे भी इस गर्मी में अपने घरों की छतों और छज्जों पर पक्षियों के लिए दाना पानी जरूर रखें। अभियान कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में गाँव के ही सेवानिवृत्त अध्यापक विजय बहादुर यादव, ग्रीन फोर्स के संस्थापक शशिकान्त, सदस्य ध्रुव, श्री, राज, सिद्धि, अंशिका, अनन्या, सचिन, प्रभु, अभिनव, साहिल, आलोक, सलमान, धीरज, समीर व गांव के अन्य वरिष्ठ गण भी उपस्थित रहें। इस मुहिम की सराहना पूरे क्षेत्र में हो रही है और यह अन्य गांवों के लिए भी एक मिसाल बनकर उभरी है।

सीएचओ का मलेरिया व वेक्टर जनित रोगों पर प्रशिक्षण सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को मलेरिया एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की जांच, उपचार और प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हो गया। यह प्रशिक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभात कुमार तथा वीबीडी नोडल अधिकारी डॉ. बी.सी. पंत के निर्देशन में सहयोगी संस्था गोदरेज एवं पाथ सीएचआरआई के सहयोग से 9 मार्च से 13 मार्च 2026 तक छह बैचों में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम चरण में 13 मार्च को आयोजित छठवें बैच में ब्लॉक सिरकोनी, जलालपुर, मड़ियाहूं और रामपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रकार जनपद के सभी 21 ब्लॉकों के सीएचओ का प्रशिक्षण पूर्ण हो गया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव ने मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया जैसे वेक्टर जनित रोगों के कारण, लक्षण, बचाव, जांच और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं पाथ सीएचआरआई संस्था की रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. ओजस्विनी त्रिवेदी ने मलेरिया उपचार प्रोटोकॉल पर पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया तथा प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिए। सहायक मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा ने आईएचआईपी पोर्टल पर मलेरिया रिपोर्टिंग की जानकारी दी, जबकि वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन सर्वेश कुमार श्रीवास्तव ने मलेरिया जांच की प्रक्रिया से अवगत कराया। प्रशिक्षण से पूर्व प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट और प्रशिक्षण के बाद पोस्ट-टेस्ट भी कराया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जनपद में वर्ष 2023 में मलेरिया के 9, वर्ष 2024 में 4 और वर्ष 2025 में 14 मामले सामने आए थे, जबकि वर्ष 2026 में अब तक 4 मामले दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष अब तक 56,254 लोगों की जांच की जा चुकी है। जिला मलेरिया अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि घरों के आसपास साफ-सफाई रखें, जल जमाव न होने दें, मच्छरदानी का उपयोग करें और बुखार होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। उन्होंने कहा कि मलेरिया से बचाव के लिए जागरूकता और सावधानी बेहद जरूरी है।

ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन द्वारा नि :शुल्क कॉपी-पेन का वितरण

उन्नाव (उत्तरशक्ति)। जनपद उन्नाव के ग्राम सावली खेड़ा में शिक्षा को बढ़ावा देने और जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता के उद्देश्य से ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन (एनजीओ) की ओर से निःशुल्क कॉपी-पेन वितरण महा महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्था के इस प्रथम कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को कॉपी और पेन वितरित कर उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रीकांत कटियार उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समाज में शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है और ऐसे सामाजिक संगठन जो बच्चों की पढ़ाई में सहयोग कर रहे हैं, वे सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ना ही समाज की सच्ची सेवा है और ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन का यह प्रयास निश्चित रूप से प्रेरणादायक है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अतुल प्रजापति (एडीएम रेलवे डिपार्टमेंट) ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे समाज और देश का भविष्य मजबूत बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की। इस अवसर पर ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन के प्रबंधक रजनीश कुमार प्रजापति, जो प्रदेश मंत्री सोशल मीडिया विश्व हिंदू महासंघ तथा भाजपा ओबीसी मोर्चा औरैया के जिला सोशल मीडिया सह-प्रभारी भी हैं, ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक सेवा से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। कार्यक्रम में आकाश सिंह (अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल जिला अध्यक्ष) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से छात्र-छात्राओं को कॉपी और पेन वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक कुलदीप राठौर (उपाध्यक्ष, ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन) और उत्तम राठौर (सदस्य, ऑक्सीजन सर्वजन फाउंडेशन) रहे। आयोजकों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ना तथा उन्हें आवश्यक शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी कदम बताया।

24 से 26 मार्च तक शाही किले में आयोजित होगा तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । जनपद में तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव ने की। इस दौरान मड़ियाहूं विधायक आर के पटेल तथा जिलाधिकारी डॉ . दिनेश चन्द्र भी उपस्थित रहे। बैठक में महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने बताया कि जौनपुर महोत्सव 24, 25 और 26 मार्च 2026 को ऐतिहासिक शाही किला जौनपुर में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महोत्सव को भव्य और आकर्षक रूप से आयोजित किया जाए, जिससे जनपद की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक परंपराओं को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जा सके। उन्होंने कहा कि महोत्सव में स्थानीय कलाकारों और लोक संस्कृति को विशेष स्थान दिया जाए, ताकि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं और विभिन्न विभागों की योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आयोजन के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी भव्य सामूहिक विवाह सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सामूहिक विवाह के लिए जोड़ों का शत-प्रतिशत बायोमैट्रिक सत्यापन कराया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी, एक जनपद एक उत्पाद समेत कई स्टॉल भी लगाए जाएंगे। बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ उपवन में गूंजेगा 'सत्ता में हिस्सा प्राप्त करो' का नारा

परिवर्तन समाज पार्टी मनाएगी माँ कर्मा बाई जयंती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सिद्धार्थ उपवन के प्रांगण में आगामी 15 मार्च 2026 को परिवर्तन समाज पार्टी द्वारा आयोजित 'सत्ता में हिस्सा प्राप्त करो' जन आंदोलन एवं माँ कर्मा बाई जयंती समारोह धूमधाम से मनाई जाएगी। इस महत्वपूर्ण आयोजन की रूपरेखा तय करने और तैयारियों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति तैयार की गई। उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि परिवर्तन समाज पार्टी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम समाज के उत्थान और राजनीतिक चेतना के लिए मील का पत्थर साबित होगा। नेताओं ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे इस जयंती समारोह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और समाज की एकजुटता का परिचय दें।

तैयारियों का जायजा लेने के लिए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशवन्त कुमार गुप्त, राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण कुमार साहू, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एडवोकेट गंगा प्रसाद साहू, प्रदेश प्रभारी स्वामी नीरज जी महाराज, प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद साहू, प्रदेश महासचिव मुन्ना लाल साहू, प्रदेश अध्यक्ष वैवाहिक प्रकोष्ठ महेंद्र साहू, मंडल अध्यक्ष राजुल सिंह, प्रदेश सचिव प्रदीप त्यागी, प्रदेश अध्यक्ष (आईटी सेल) आलोक साहू, प्रदेश प्रवक्ता धर्मचन्द साहू, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम आसरे साहू, नगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, घनश्याम साहू, मोहनलाल साहू सहित कई दिग्गज नेता सिद्धार्थ उपवन पहुंचे। बैठक में कार्यक्रम के प्रबंधन और जनसंपर्क को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने बताया कि 15 मार्च का यह आयोजन समाज को अपनी राजनैतिक भागीदारी के प्रति जागरूक करने का एक बड़ा माध्यम बनेगा। अंत में सभी कार्यकताओं से घर-घर जाकर इस संदेश को पहुँचाने की अपील की गई।

टीका फाउंडेशन द्वारा विशाल माता की चौकी का आयोजन 15 मार्च को

भायंदर (उत्तरशक्ति)। टीका फाउंडेशन द्वारा मीरा-भायंदर, मुंबई में 15 मार्च 2026 को शाम 5:00 बजे से विशाल माता की चौकी का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष एवं उद्योगपति समाजसेवी राहुल देवशंकर दुबे ने बताया कि यह धार्मिक कार्यक्रम संभाजी महाराज खेल मैदान, सेवन इलेवन स्कूल के पीछे, रामदेव पार्क, मीरा रोड में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुकेश त्रिपाठी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा माता की भक्ति में भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से प्रसिद्ध भजन कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध भजन गायक मुकेश त्रिपाठी, अंतर्राष्ट्रीय भजन गायक तिवारी बंधु (सुजीत तिवारी और मंजीत तिवारी), मशहूर भजन गायक सुजीत गौतम, अंतर्राष्ट्रीय भजन गायिका पारुल नंदा, सुप्रसिद्ध भजन गायिका रागिनी प्रजापति तथा गायक राजू दुबे अपनी भक्ति प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय बनाएंगे। वहीं उद्योगपति समाजसेवी प्रेम पाण्डेय सहित वाराणसी और मुंबई के कई प्रसिद्ध कलाकारों के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। संस्था के अध्यक्ष राहुल देवशंकर दुबे ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

शिष्टाचार तोड़ने का मामला: वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में भाजपा का कड़ा विरोध

वसई-विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की वार्ड कमेटी अ की नई बनी बिल्डिंग के उद्घाटन और चंदनसर में ट्रॉमा सेंटर के भूमि पूजन समारोह के इनविटेशन लेटर से जनप्रतिनिधियों को बाहर रखने की बात सामने आने के बाद आज (13 मार्च) शहर का राजनीतिक माहौल गरमा गया। भाजपा के पालघर लोकसभा खासदार डॉ. हेमंत सावरा और वसई विधायक स्नेहा दुबे-पंडित का नाम इनविटेशन लेटर से पूरी तरह हटा दिया गया, और नालासोपारा विधानसभा विधायक राजन नाइक का नाम पुराने पदाधिकारियों के नाम पर छाप दिया गया, जो शिष्टाचार का उल्लंघन है। भारतीय जनता पार्टी ने आक्रामक रुख अपनाया। शिष्टाचार के इस गंभीर उल्लंघन का विरोध करने के लिए, विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, समूह के नेता अशोक शेलके और जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल के नेतृत्व में, 43 भाजपा नगरसेवकों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मनपा मुख्यालय पर धरना दिया। मनोज पाटिल ने प्रशासन की कड़ी निंदा करते हुए कहा था कि यह महाराष्ट्र सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 20 नवंबर, 2025 को जारी सरकारी परिपत्र का स्पष्ट उल्लंघन है। विरोध के बारे में पहले से जानकारी होने के कारण कमिश्नर मनोज कुमार सूर्यवंशी कार्यालय में मौजूद नहीं थे, इसलिए गुस्साए कार्यकर्ताओं ने सीधे कमिश्नर के केबिन पर कब्जा कर लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, प्रतिनिधिमंडल ने महापौर अजीव पाटिल, स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रवीण शेट्टी और अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाड़े से मुलाकात की और चर्चा की। विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने कमिश्नर को लिखे अपने पत्र में स्पष्ट किया कि विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन सरकारी परिपत्र की धारा-5 के अनुसार प्रतिबंधित है। उन्होंने यह भी मांग की कि जनप्रतिनिधियों का अपमान करने वाले दोषी अधिकारियों के नाम बताए जाएं और सात दिनों के अंदर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस आंदोलन की तेजी ने आखिरकार नगर निगम प्रशासन को झुकने पर मजबूर कर दिया। एडिशनल कमिश्नर संजय हेरवाड़े ने इस बारे में एक लिखित सफाई पेश की है, जिसमें साफ किया गया है कि उक्त इनविटेशन कार्ड नगर निगम ने ऑफिशियली नहीं छापा था। हालांकि, प्रशासन ने शिष्टाचार का पालन न करने और कमिश्नर की पहले से मंजूरी के बिना ऐसा कार्ड छापने पर बड़ी कार्रवाई की है। इसमें सिटी इंजीनियर प्रदीप पाचंगे और डिप्टी इंजीनियर सतीश सूर्यवंशी को महाराष्ट्र सिविल सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स, 1979 के तहत डिसिप्लिनरी नोटिस जारी किया गया है। इस कार्रवाई से नगर निगम हलकों में काफी हलचल मच गई है, और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए शिष्टाचार पालन सेल बनाने की मांग अब जोर पकड़ रही है।

मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया में उन्नत सर्जरी से 29 वर्षीय युवक की दुर्लभ मस्तिष्क संबंधी बीमारी का सफल उपचार

मुंबई/कोलकाता। भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया के डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल के आरामबाग क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी 29 वर्षीय अतनु पंडित में पाई गई एक दुर्लभ जन्मजात मस्तिष्क संबंधी बीमारी मेनिंगोएन्सेफालोसील के साथ CSF राइनोरिया का सफलतापूर्वक उपचार किया। यह स्थिति तब होती है जब खोपड़ी में मौजूद एक दोष के कारण मस्तिष्क का एक हिस्सा और उसकी सुरक्षात्मक परत नाक की गुहा में पहुंच जाती है, जिससे नाक से सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड का रिसाव होने लगता है।

मरीज का उपचार डॉ. कौशिक सिल, कंसल्टेंट-न्यूरोसर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया की देखरेख में किया गया। उन्हें ईएनटी विभाग की टीम का सहयोग मिला, जिसका नेतृत्व प्रोफेसर डॉ. अमिताभा रायचौधुरी, कंसल्टेंट -ईएनटी, मणिपाल हॉस्पिटल धाकुरिया ने किया। अतनु पंडित कई वर्षों से नाक से लगातार साफ पानी जैसा तरल निकलने की समस्या से परेशान थे। शुरूआत में इसे मामूली नाक की समस्या समझकर नजरअंदाज कर दिया गया। बाद में जांच में पता चला कि यह तरल वास्तव में सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड है, जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को सुरक्षा प्रदान करता है तथा खोपड़ी के अंदर दबाव को संतुलित बनाए रखता है। नाक से CSF के रिसाव को चिकित्सकीय भाषा में उरऋराइनोरिया कहा जाता है। जब अतनु लगभग चार वर्ष के थे, तब उनकी नाक के अंदर इसी तरह की एक सूजन दिखाई दी थी। उस समय स्थानीय डॉक्टरों ने इसे नैसल पॉलिप समझा, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है। जांच के दौरान एक बार तरल निकलने की घटना हुई, लेकिन बाद में सूजन अपने आप कम हो गई। इसके बाद लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखे, इसलिए आगे इलाज नहीं कराया गया।

स्पीकर पर हमला कांग्रेस की, राहुल की एक असरदार एम न हो पाने की नाकामी को छिपाने की कोशिश है

मुंबई। जब लोकसभा में अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का दिन आया, तो माहौल पहले से ही गरम था। लेकिन जैसे ही राजनीति के चाणक्य और हर विषय पर पूरी तैयारी के साथ खड़े होने वाले रणनीतिकार अमित शाह सदन में बोलने के लिए उठे, ऐसा लगा मानो पूरा सदन एक पल के लिए थम गया हो। क्योंकि, संसद की राजनीति को करीब से देखने वाले जानते हैं कि जब शाह खड़े होते हैं तो बहस केवल बहस नहीं रहती, वह तर्क, तथ्य और राजनीतिक संदेश का ऐसा संगम बन जाती है जिसमें कई बार विपक्ष की पूरी रणनीति ही बिखर जाती है। उस दिन भी कुछ ऐसा ही दृश्य था।

सदन में उस दिन चर्चा का विषय लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव था, जो लगभग चार दशकों बाद सामने आया। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत कही जाने वाली लोकसभा में ऐसी घटना स्वाभाविक रूप से असाधारण मानी जाती है। चर्चा करीब 13 घंटे चली, 40 से अधिक सांसदों ने अपनी बात रखी और अंत में प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हो गया। लेकिन जैसे-जैसे चर्चा आगे बढ़ती गई, कई सांसदों और राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मन में एक ही सवाल घूमता रहा झ क्या यह वास्तव में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास का मामला है या फिर मुख्य विपक्षी पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी की एक असरदार ट्ढ न हो पाने की नाकामी को छिपाने की कोशिश है। संसद में प्रभावशाली सांसद बनने के लिए सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि नियमों की समझ, बहस में निरंतर भागीदारी और समय पर उपस्थिति भी जरूरी होती है, जिसके शानदार उदाहरण अमित शाह हैं।

जब सदन के महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर बोलने की बारी आती है, तब कई बार मुख्य विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी देश से बाहर होते हैं। कभी जर्मनी, कभी वियतनाम, कभी इंग्लैंड, कभी सिंगापुर और मलेशिया झ ऐसी कई यात्राओं का जिक्र राजनीतिक गलियारों में होता रहा है। फिर वही नेता यह शिकायत करते नजर आते हैं कि उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता। स्वाभाविक है कि सदन में बैठे लोग यह सवाल जरूर पूछते हैं झ जो सांसद उस समय देश में ही नहीं है, वह सदन में बोलेगा कैसे?

यही वजह है कि उस दिन सदन में कई लोग यह कहते सुने गए कि स्पीकर पर हमला असल में एक असरदार सांसद न बन पाने की राजनीतिक असहजता को छिपाने की कोशिश भी हो सकती है।

चंदेल वंश की कुलदेवी मां मनियां देवी का भव्य मंदिर चांदपुर में आस्था का केंद्र

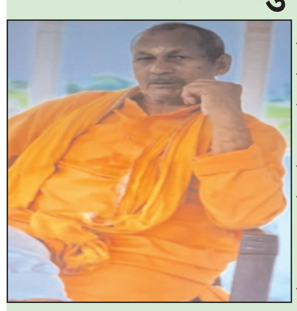

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र स्थित चांदपुर गांव में चंदेल वंश की कुलदेवी मां मनियां देवी का भव्य मंदिर श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। मंदिर में स्थापित माता की दिव्य और आकर्षक प्रतिमा इतनी जीवंत प्रतीत होती है मानो अभी माता स्वयं भक्तों से संवाद कर दें।

मंदिर में प्रतिदिन दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए माता के चरणों में माथा टेकते हैं और अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करते हैं। मंदिर के पुजारी पंडित विनय मिश्रा प्रेमचंद मिश्रा ने बताया कि मां मनियां देवी के दर्शन के लिए वाराणसी, आजमगढ़, मऊ, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर और भदोही सहित विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में भक्तजन आते हैं। श्रद्धालु माता के दरबार में आरती, पूजा-पाठ कर अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं और मां की कृपा से उनकी मुरादें भी पूरी होती हैं। मां मनियां देवी का यह मंदिर क्षेत्र के लोगों के लिए श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बन गया है, जहां प्रतिदिन भक्तों का तांता लगा रहता है। अधिक जानकारी के लिए मो. ८१७६०२३७-४५ पर मंदिर पुजारी पंडित प्रेमचंद मिश्रा से संपर्क कर सकते हैं।

राष्ट्र सेवा के लिए स्वस्थ नारी': योग गुरु डॉ. अजय रवींद्र कुंभार द्वारा बीएमसी 'एस' वार्ड में योग शक्ति का शंखनाद

मुंबई। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की असली पूंजी हैं।र इसी राष्ट्रभक्ति के मंत्र के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर भांडुप स्थित बीएमसी 'एस' वार्ड कार्यालय में सुप्रसिद्ध योग डॉ. अजय रवींद्र कुंभार के नेतृत्व में एक भव्य 'तनाव प्रबंधन एवं योग' सत्र संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक प्रशिक्षण शिविर नहीं, बल्कि नारी शक्ति से राष्ट्र शक्ति के संकल्प को सिद्ध करने का एक माध्यम बना। सहायक आयुक्त समरीन शबाना सलीम सय्यद और चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कल्पेश दिनकर भालेराव के विशेष निमंत्रण पर डॉ. अजय रवींद्र कुंभार ने महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को भारत की इस प्राचीन धरोहर (योग) के माध्यम से मानसिक विजय और शारीरिक सुदृढ़ता प्राप्त करने के गुर सिखाए। सत्र के दौरान बीएमसी कर्मयोगियों का उत्साह और अनुशासन देखते ही बनता था। इस सेवा कार्य को सांसद संजय दिना पाटील और विधायक अशोक पाटील के प्रेरणादायी और ओजस्वी नेतृत्व का निरंतर संबल प्राप्त है। डॉ. अजय रवींद्र कुंभार ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारत को 'विश्व गुरु' बनाने की दिशा में एक अनुशासित कदम है। उपस्थित कर्मचारियों ने डॉ. कुंभार के इस सत्र को राष्ट्र-निर्माण की दिशा में अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

वॉर्ड क्रमांक 152 की नगरसेविका को प्रभाग समिति अध्यक्ष बनने पर बधाई

मुंबई। वॉर्ड क्रमांक 152 की नगरसेविका श्रीमती आशा सुभाष मराठे को बृहन्मुंबई महानगरपालिका के एम पश्चिम विभाग की प्रभाग समिति अध्यक्ष पद पर नियुक्त किए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभेच्छाएं दी गईं।

इस अवसर पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका एम विभाग के जनसंपर्क कार्यालय, मुंबई की ओर से भी उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) उपस्थित रहे और उन्होंने भी उन्हें जीत की बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने आशा व्यक्त की कि श्रीमती मराठे आगे भी इसी तरह जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनेंगी और उनका समाधान करने के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी।

रंजु झा ने सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष से किया मुलाकात

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी मुंबई के महामंत्री एवं सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी से आज मुम्बई भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा नेता रंजु झा ने मुलाकात कर के उनका आशीर्वाद प्राप्त किया कर संगठन के लिए मार्गदर्शन मिला और चर्चा किया।

वडाला पश्चिम निवासी के.के. मिश्रा ''बच्चन'' की पत्नी ऊषा देवी का दुखद निधन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जनपद प्रतापगढ , तहसील रानीगंज के मूल निवासी हैं। श्रीमती उषा कृष्णकांत मिश्रा (बच्चन) की दुखद निधन 13 मार्च 2026 दिन शुक्रवार को सुबह 5 बजे लम्बी बिमारी के कारण अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे 62 वर्ष की कठीन पड़ाव पार कर चुकी थी। श्रीमती उषा कृष्णकांत मिश्रा एक सरल व सादगी विचार की महिला थीं। उनके निधन का समाचार वडाला, माटुंगा में बिजली की तरह चारों तरफ फैल गई। श्रीमती उषा मिश्रा का वडाला पश्चिम स्थित 189 नाजायज मेंशन रोड नं 57 नियर एस आई डब्ल्यू एस कालेज के पास निवास स्थान है। समाजसेवी व व्यवसायी तथा ओडिसी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के संचालक व संस्थापक अध्यक्ष तथा उत्तर शक्ति के संरक्षक के. के. मिश्रा बच्चन की धर्मपत्नी थी। बता दें श्रीमती ऊषा अपने पीछे दो पुत्र डॉ सागर मिश्रा, अमन मिश्रा, पुत्र वधू डॉ श्रीमती प्रियंका मिश्रा, पत्रकार रवि तिवारी (राहुल) सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है। उनका छोटा पुत्र आब्राड में है उनके आने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू, पत्रकार राजकुमार अग्रहरि, मां विंध्यवासिनी मंदिर के अध्यक्ष भरत भाई शुक्ला, अशोक पांडे, तिवारी सरस्वती क्लासेज के संचालक डॉ प्रोफेसर दयानंद तिवारी, उत्तर शक्ति के प्रवंधक शेषधर विंद तथा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र परिवार की तरफ से भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी है। पत्रकार अवधेश मिश्रा (रिक्की) , दैनिक उत्तर शक्ति संपादक ओमप्रकाश प्रजापति सहित कई लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर निज आत्मा को सांची शांति आप दें।और परिजनों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भाजपा नेता रंजू झा ने मुंबई महापौर व महिला मोर्चा अध्यक्ष से की शिष्टाचार भेंट

भायंदर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश की नेता श्रीमती रंजू झा ने मुंबई की नव-निर्वाचित महापौर श्रीमती ऋतु तावड़े से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं एवं अभिनंदन दिया। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा महिला मोर्चा मुंबई की अध्यक्ष श्रीमती योजना ठोकले ताई से भी मुलाकात कर उन्हें शुभेच्छाएं दीं। साथ ही महानगरपालिका की स्थायी समिति की सदस्य तथा निर्वाचन उपनगर की अध्यक्ष बनीं श्रीमती संगीता ज्ञानमूर्ति को भी रंजू झा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। महिला दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में महानगरपालिका में महिलाओं द्वारा प्राप्त इस महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व को उन्होंने महिलाओं के बढ़ते सशक्तिकरण का प्रतीक बताया। रंजू झा ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं और एक महिला द्वारा दूसरी महिला का सम्मान करना समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह संकल्पना कि महिलाएं घर से लेकर देश चलाने तक हर जिम्मेदारी निभाने में सक्षम हैं, आज वास्तविकता के रूप में दिखाई दे रही है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देश के विकास और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अगर आप चाहें तो मैं इसे और भी प्रोफेशनल प्रेस रिलीज, अखबार में छपने लायक खबर, या सोशल मीडिया पोस्ट के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

राजकुमार सोनी को किया सम्मानित

रायसेन (मध्यप्रदेश)। समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर गंजबासौदा के राजकुमार सोनी को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी विठ्ठल सोनी एवं श्रीमती सविता सोनी द्वारा उन्हें रायसेन में सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विठ्ठल सोनी ने बताया कि विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते तय करने के लिए परिवारों को शहर-शहर भटकना पड़ता था और अनावश्यक खर्च भी करना पड़ता था। इसी समस्या को देखते हुए राजकुमार सोनी द्वारा स्वर्णकार विवाह मंच गंजबासौदा की स्थापना की गई। उन्होंने बताया कि यह मंच पिछले 8 वर्षों से स्वर्णकार समाज की सेवा में निरंतर कार्य कर रहा है। अब तक इस मंच के माध्यम से 11 हजार से अधिक प्रोफाइल का प्रसारण किया जा चुका है तथा लगभग 6 हजार से अधिक वैवाहिक संबंध तय कराए जा चुके हैं। समाज हित में किए जा रहे इन कार्यों के कारण आज राजकुमार सोनी का नाम स्वर्णकार समाज में चारों दिशाओं में सम्मान के साथ लिया जाता है।

जेनरोबोटिक्स ने सिंगापुर सरकार से महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया

मुंबई। खतरनाक इन्फ्रास्ट्रक्चर का रखरखाव करने वाली भारतीय डीप-टेक कंपनी, जेनरोबोटिक्स को सिंगापुर की नेशनल वॉटर एजेंसी, पी.यू.बी से एक महत्वपूर्ण कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त हुआ है। यह भारतीय इंजीनियरिंग के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस कॉन्ट्रैक्ट के लिए जेनरोबोटिक्स को कठोर अंतर्राष्ट्रीय मूल्यांकन के बाद चुना गया है, जिसमें 600 से अधिक ग्लोबल कंपनियों ने हिस्सा लिया था। यह कॉन्ट्रैक्ट सरकार द्वारा नियुक्त एक एक्सपर्ट कमिटी द्वारा दिया गया। कॉन्ट्रैक्ट देने से पहले जेनरोबोटिक्स की इंजीनियरिंग क्षमताओं और ऑपरेशनल ट्रैक रिकॉर्ड की विस्तृत टेक्निकल समीक्षा की गई थी। कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत सिंगापुर के सीवर और वॉटर मैनेजमेंट ऑपरेशंस में एडवांस्ड रोबोटिक सिस्टम तैनात किए जाने हैं। इससे एक घरेलू सोशल-इम्पैक्ट इनोवेटर से विश्वस्तर के डीप-टेक एक्सपोर्टर के रूप में कंपनी का विकास प्रदर्शित होता है। जेनरोबोटिक्स के सी.ई.ओ एवं को-फाउंडर, विमल गोविंद ने कहा, 600 अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए यह कॉन्ट्रैक्ट हासिल करना इस बात का प्रमाण है कि भारत निर्मित रोबोटिक्स पूरे विश्व में प्रतिस्पर्धा करने में समर्थ है और दुनिया के इन्फ्रास्ट्रक्चर में हो रहे बदलाव का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। हमारी टेक्नोलॉजी सबसे कठिन वातावरण में काम करने के लिए बनाई गई है, और सिंगापुर में मिले इस कॉन्ट्रैक्ट ने हमारी काबिलियत को प्रमाणित कर दिया है कि हमारे समाधान सुरक्षा और एफिशियंसी के सर्वोच्च वैश्विक मानकों का पालन करते हैं। जेनरोबोटिक्स की टेक्नोलॉजी का उपयोग करने वाले देशों की बढ़ती सूची में सिंगापुर भी शामिल हो गया है। कंपनी मलेशिया में साल 2022 से राष्ट्रीय स्तर पर इंडा वॉटर की पार्टनर है और यूनाईटेड अरब अमीरात, साउथ अफ्रीका और यूनाईटेड किंगडम में मजबूत स्थिति बना चुकी है। भारत में जेनरोबोटिक्स के सिस्टम 23 राज्यों और 100 से अधिक शहरों में स्थापित हैं और दुनिया में 140 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। इतने विशाल ग्राहकों के साथ कंपनी मिशन-केंद्रित विश्वसनीयता के लिए अपने हार्डवेयर में सुधार करने में समर्थ बनी है। विश्व में जेनरोबोटिक्स का विस्तार एक डाईवर्सिफाईड ईकोसिस्टम के अंतर्गत होता है, जो लेबर की कमी, पुराने होते इन्फ्रास्ट्रक्चर और कठोर सुरक्षा नियमों पर आधारित है।

महाराष्ट्र की धरती पर पहली बार कर्वी ग्लैमर का भव्य आयोजन

मुंबई। महाराष्ट्र की भूमि पर पहली बार देश का सबसे बड़ा और अनोखा मिस्टर, मिस और मिसेज इंडिया प्लस साइज ब्यूटी पेजेंट फैशन शो 2026 (सीजन 2) का भव्य आयोजन 17 फरवरी 2026 को किया गया, जिसमें पूरे भारत से आए प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन कर्वी ग्लैमर इवेंट के अंतर्गत किया गया, जिसकी प्रमुख आयोजक एवं मेघना चैरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापिका समाज सुधारक मेघना शेंडगे ने इसे बॉलीवुड स्टाइल में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था सुंदरता को आत्मविश्वास के साथ उजागर करना और यह संदेश देना कि हर व्यक्ति के भीतर कुछ कर दिखाने की क्षमता और पहचान बनाने की ताकत होती है, क्योंकि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर अपने सपनों को दबाकर स्वयं को कम आंकने लगते हैं, ऐसे में बॉडी शेमिंग के खिलाफ बॉडी पॉजिटिविटी और मोटिवेशन का संदेश देने के लिए इस मंच की शुरूआत की गई। सीजन 2 में देशभर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान को सम्मानित किया गया और मिसेज इंडिया मॉडल का खिताब अर्पिता ठाकुर कोठारी (आर्किटेक्ट) ने जीता, प्रथम रनरअप मोनिका तिवारी (शिक्षिका) रहीं और द्वितीय रनरअप दीपाली वसंत (फाइनेंशियल एडवाइजर) रहीं; मिस्टर इंडिया मॉडल का खिताब पुष्पक पाटील (कॉमेडी कलाकार) ने जीता, प्रथम रनरअप अरविंद कुमार सिन्हा (कंट्री क्लब मैनेजर) और द्वितीय रनरअप पंकज शर्मा (फिटनेस ट्रेनर) रहे; वहीं मिस इंडिया मॉडल का खिताब सई शेंडगे (हिप-हॉप डांसर) ने अपने नाम किया और प्रथम रनरअप विभूषा कांदळकर (लावणी नृत्यांगना) रहीं। सबटाइटल विनर्स में सरिता गुप्ता को फोटोजेनिक फेस, रीना सोबती को इंटेलेक्चुअल आइकॉन, अश्विनी जोशी को कॉनजेनियलिटी आइकॉन और रेश्मी मुन्सी को कॉन्फिडेंटल क्वीन का सम्मान दिया गया। विजेताओं को कर्वी ग्लैमर की ओर से सुंदर क्राउन, सैश, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और आकर्षक उपहार प्रदान किए गए, जिसमें 1 ग्राम सोने की चेन (आर के गोल्ड) भी शामिल थी, गिफ्ट पार्टनर कपिल सिंह और क्राउन पार्टनर समीर मेहता रहे।

गैर-कानूनी विदेशी नागरिकों के लिए उत्तन में डिटेंशन सेंटर बनाया जाए: राजन नाइक

वसई-विरार। भाजपा विधायक राजन नाइक ने विधानसभा में वसई-विरार क्षेत्र में बढ़ रहे गैर-कानूनी विदेशी नागरिकों के मुद्दे को उठाते हुए उत्तन में एक अधिकृत डिटेंशन सेंटर बनाने की मांग की। साथ ही उन्होंने वसई-विरार शहर के लिए पुलिस जॉइंट कमिश्नर का पद सृजित करने की भी मांग की। राज्य बजट में अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान विधायक नाइक ने कहा कि नालासोपारा, विरार और वसई क्षेत्रों में विदेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 4 फरवरी को पुलिस द्वारा चलाए गए एक जंबो ऑपरेशन में 240 नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से केवल 12 के पास वैध वीजा था।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में गैर-कानूनी विदेशी नागरिकों को रखने के लिए कोई अधिकृत डिटेंशन सेंटर नहीं है। इसके कारण पुलिस को गिरफ्तार किए गए लोगों को अस्थायी और निजी स्थानों पर रखना पड़ता है, जिससे कार्रवाई में कठिनाई होती है। वर्ष 2022 में उत्तन में ऐसा सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया था, लेकिन अब तक उसे लागू नहीं किया गया है। विधायक नाइक ने इसे जल्द से जल्द शुरू करने की मांग की। नाइक ने यह भी बताया कि वसई-विरार शहर मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आता है। मीरा-भायंदर की आबादी करीब 15 लाख और वसई-विरार की आबादी लगभग 30 लाख तक पहुंच चुकी है। पुलिस कमिश्नर का मुख्यालय मीरा रोड में स्थित है। इतनी बड़ी आबादी को देखते हुए उन्होंने वसई-विरार के लिए अलग पुलिस कमिश्नरेट की मांग भी उठाई। जब तक यह मंजूरी नहीं मिलती, तब तक यहां एक स्वतंत्र पुलिस जॉइंट कमिश्नर नियुक्त करने की जरूरत बताई। इसके अलावा, नालासोपारा के संतोष भुवन इलाके में पहले भी कई बार अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। यह घनी आबादी वाला क्षेत्र तुलिंज, पेल्हर और वालिव पुलिस स्टेशनों में बंटा हुआ है। इसलिए विधायक नाइक ने यहां एक नया पुलिस स्टेशन बनाने की मांग भी की। वसई-विरार में बढ़ती आबादी को देखते हुए खोलसा पाड़ा-1 और खोलसा पाड़ा-2 क्षेत्र में डैम बनाने का काम प्रस्तावित है। हालांकि, इस परियोजना के लिए कुछ जमीन वन विभाग की है। विधायक नाइक ने विधानसभा में मांग की कि वन विभाग इस डैम के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति प्रदान करे।